राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार, 19 फरवरी–2023 वर्ष–6, अंक–27 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

आधी रात से बाबा महाकाल के दर्शन शुरू, लगातार 44 घंटे चलेगा दर्शन का सिलसिला

उज्जैन। महाशिवरात्रि पर्व पर उज्जैन शहर में आज उल्लास का माहौल है। बाहर से आए लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत में शहर पूरी रात जागा है। पुराने शहर और सड़कों पर गहमागहमी है। वाहनों की लम्बी कतारें इंदौर मार्ग पर देखी जा सकती हैं। हर तरफ जय महाकाल की अनुगूंज है। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात 3 बजे से दर्शन का सिलसिला प्रारंभ हो चुका है। समाचार लिखे जाने तक दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को करीब 2 घण्टे का समय लग रहा है। इस समय करीब 2 लाख श्रद्धालु दर्शन करने की कतार में और अपनी बारी आने के इंतजार में महाकाल मंदिर क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। हालात यह है कि भीड़ प्रबंधन में पुलिसकर्मियों, सेवा संस्थाओं के वालेंटियर्स को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है। आस्था ठण्ड पर भारी है। ठण्डी हवाओं से रातभर ठिठुरन रही लेकिन बच्चों से लेकर महिलाओं तक, युवाओं से लेकर वृद्ध तक कतार में खड़े होकर भोलेनाथ की एक झलक पाने को बेताब हैं। पूरी उज्जयिनी नगरी इस समय शिवमय हो गई है। तड़के बाबा महाकाल की भस्म आरती सम्पन्न हुई। इसके बाद बाबा का दूल्हा स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। दिनभर बाबा महाकाल निराकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने दावा किया कि श्रद्धालुओं को एक घंटे में दर्शन हो जाए, इस तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। दर्शन में लगने वाली वेटिंग टाइम में विभिन्न स्थानों पर भजन मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मन्दिर में प्रवेश हेतु निर्धारित द्वार से प्रत्येक 200 मीटर दूरी पर पानी की बॉटल निःशुल्क वितरित की जा रही है। पार्किंग स्थल पर पीने के पानी के टैंकर खड़े किए गए हैं। गर्मी के मद्देनजर प्रवेश द्वार से लेकर निर्गम द्वार तक, निर्गम द्वार से जूता स्टैण्ड तक मेटिंग बिछाकर शामियाना लगाया गया है।

पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि महाशिवरात्रि पर दर्शन व्यवस्था के लिए श्रद्धालुओं को गंगोत्री गार्डन की ओर से प्रवेश दिया जा रहा है। यहां से चारधाम मन्दिर पानी की टंकी वाले मार्ग से रूद्र सागर के किनारे-किनारे त्रिवेणी संग्रहालय की ओर श्रद्धालु पहुचेंगे। श्रद्धालु त्रिवेणी संग्रहालय पानी की टंकी से नन्दी मण्डपम, महाकाल लोक होते हुए मानसरोवर भवन में प्रवेश कर फेसिलिटी सेन्टर-1 से होकर कार्तिक मण्डपम में प्रवेश करेंगे। दर्शनार्थी कार्तिक मण्डपम अथवा गणेश मण्डपम में बाबा महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। दर्शन उपरांत निर्गम द्वार होते हुए गेट नं.-4 अथवा 5 से बाहर की ओर प्रस्थान करेंगे।

वाहन पार्किंग व्यवस्था

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सर्वाधिक दर्शनार्थी इन्दौर रोड से उज्जैन की ओर आ रहे हैं। बाकी देवास, बडनगर, नागदा, आगर आदि मार्ग से उज्जैन आ रहे हैं। दर्शनार्थियों के आगमन के रास्ते के अनुसार ही पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

-इन्दौर-देवास-मक्सी की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं को कर्कराज पार्किंग तक आना होगा। यहां वाहन पार्क करके वे कलोता समाज की धर्मशाला से आगे आकर ,गंगोत्री गार्डन के बगल से निकलकर चारधाम पार्किंग में पहुंचेंगे। यहां से रूद्र सागर के किनारे-किनारे होकर त्रिवेणी संग्रहालय पहुंचेंगे। यहां से महाकाल लोक होकर मानसरोवर फेसिलिटी सेन्टर तक पहुंचाया जा रहा है।

-इन्दौर रोड से आने वाले यात्रियों के लिये मन्नत गार्डन की पार्किंग एवं देवास व मक्सी से आने वाले यात्रियों के लिये इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ-साथ मन्नत गार्डन की पार्किंग का भी उपयोग किया जा रहा है।

-बडनगर-नागदा की ओर से आने वाले यात्रियों के लिये मुल्लापुरा चौराहे पर आदिनाथ मन्दिर एवं आश्रम के पास पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

-भील समाज की धर्मशाला के पास जूता स्टैण्ड बनाया गया है। श्रद्धालुगण दर्शन उपरांत बड़ा गणपति से होकर हरसिद्धि मन्दिर वाले मार्ग से फिर से नृसिंह घाट होकर जूता स्टेण्ड तक पहुंचेंगे।

उड्डयन सेक्टर में नई नौकरियों के खुलेंगे बड़े अवसर, एयर इंडिया के 470 विमानों के लिए चाहिए 6500 पायलट

नई दिल्ली। कोरोना महामारी एयरलाइन कंपनियों पर भारी गुजरा था। तकरीबन हर कंपनी ने बड़े पैमाने पर नौकरियों में छंटनी की थी। अब हालात बदलने के संकेत मिलने शुरु हो गये हैं। इस हफ्ते मंगलवार को एयर इंडिया की तरफ से जिन 470 विमानों की खरीद की गई है सिर्फ उनके लिए ही 6500 पायलटों की जरूरत होगी।

बड़े ऑर्डर की तैयारी में एयरलाइंस-देश की दूसरी एयरलाइनों की तरफ से जल्द ही 700 और नये विमानों के ऑर्डर दिए जाने के आसार हैं। नये विमानों की खरीद के साथ ही दिसंबर, 2022 में देश में 21 ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने का फैसला किया गया है और आम बजट 2023-24 में 50 पुराने एयरपोर्ट के उन्नयन का घोषणा की गई है। इसकी वजह से भी एविएशन सेक्टर देश में नये रोजगार देने वाला एक बड़ा सेक्टर बन कर उभरने की स्थिति में है। एयर इंडिया के सूत्रों का कहना है कि लंबी दूरी में इस्तेमाल के लिए जो 40 एयरबस विमानों का ऑर्डर दिया गया है, उनमें से प्रत्येक विमान के लिए 30 पायलटों की जरूरत होगी। जबकि बोइंग-777 मॉडल के 10 विमानों में प्रत्येक के लिए 26 चालकों की नियुक्ति करनी होगी। इसी तरह से 20 बोइंग-787 में हर विमान को 20 पायलट चाहिए। ये तो हुई लंबी दूरी तय करने वाले विमानों की बात जहां तक नैरो बॉडी विमानों की बात है तो इसमें हर विमान के लिए औसतन 12 पायलट चाहिए।

नए विमानों के लिए 4800 पायलटों की होगी जरूरत-एयर इंडिया एयरबस और बोइंग से इस श्रेणी की कुल 400 विमान खरीद रही है, तो इस हिसाब से इनके लिए 4800 पायलट चाहिए। इतनी बड़ी तादाद में पायलटों की जरूरत को देखकर ही एयर इंडिया ने एक नया पायलट ट्रेनिंग संस्थान खोलने का ऐलान किया है।

हरदोई में सड़क हादसा, तीन मरे छह घायल

हरदोई। उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के पचदेवरा क्षेत्र में बारातियो से भरी तेज रफ्तार कार के ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ंत में तीन लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि दूल्हा समेत छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि क्षेत्र के दरियाबाद गांव के पास बीती देर रात यह हादसा उस समय हुआ जब पाली की ओर आ रही एक तेज़ रफ़्तार बोलेरो कार अनगपुर की ओर से आ रही गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गयी और अनियंत्रित होकर रजवाहा में जा गिरी। इस हादसे में दूल्हे के बहनोई और भतीजा समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दूल्हे समेत छह बाराती घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को हरदोई जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होने बताया कि हरपालपुर क्षेत्र के हरपालपुर क्षेत्र के कुड़हा गांव निवासी ओमवीर के पुत्र देवेश की शुक्रवार को शादी थी। बारात में शामिल बाराती कई गाड़ियों में सवार होकर शाहजहांपुर के कांट थाना

क्षेत्र के अभायन गांव जा रहे थे। इन गाड़ियों में शामिल एक तेज रफ्तार बुलेरो की पचदेवरा क्षेत्र के दरियाबाद गांव के पास गन्ने से भरी ट्राली से टक्कर हो गयी। जिससे अनियंत्रित होकर बोलेरो बरवन रजवाहा में जा गिरी।

इस हादसे में 12 वर्षीय रुद्र और बिपनेश की मौके पर मौत हो गई जबकि कार चालक ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया।

साहिल-निक्की की शादी 2020 में हो गई थी, खुलासा-मर्डर में पूरा परिवार शामिल

दिल्ली। दिल्ली के निक्की यादव मर्डर केस में पुलिस ने आरोपी साहिल गहलोत के पिता सहित 5 लोगों को अरेस्ट किया है। सभी पर आरोपी की मदद करने का आरोप लगा है। पुलिस का कहना है कि घरवालों ने दोस्त के साथ मिलकर निक्की के शव को फ्रिज में छिपाने में आरोपी की मदद की थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर 2020 में नोएडा के आर्य समाज मंदिर में साहिल ने निक्की से शादी कर ली थी, लेकिन आरोपी का परिवार उनकी शादी से खुश नहीं था। पुलिस ने साहिल और निक्की की शादी से जुड़े सर्टिफिकेट भी बरामद किए हैं।

साहिल के परिवार ने शादी की बात छिपाई

पुलिस का कहना है कि आरोपी की फैमिली को साहिल और निक्की की शादी के बारे में पहले से जानकारी थी। इसके बावजूद उसकी शादी दिसंबर 2022 में कहीं और तय कर दी। लड़की के परिवार से यह भी छिपाया कि साहिल पहले से ही शादीशुदा है। स्पेशल CP रविंदर यादव ने न्यूज एजेंसी ANI को बताया कि आरोपी के पिता को पता था कि उनके बेटे ने निक्की की हत्या की है। मामले में पुलिस ने पिता वीरेन्द्र सिंह, भाई अशीष और नवीन, दोस्त लोकेश और अमर को अरेस्ट किया है। सभी पर हत्या की साजिश रचने में शामिल होने को लेकर ढ्ढक्कष्ट की धारा 120क्च के तहत केस दर्ज किया गया है।

1.साहिल ने 10 फरवरी को निक्की की हत्या की

पुलिस ने खुलासा किया कि 24 साल के साहिल गहलोत ने 9 फरवरी को अपनी सगाई होने के बाद कजिन की कार लेकर रात करीब 1 बजे (10 फरवरी) निक्की के घर पहुंचा। वहां निक्की की बहन भी मौजूद थी। सुबह करीब 5 बजे वह निक्की को लेकर निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचा।

निक्की गोवा जा रही थी। उसकी ट्रेन सुबह साढ़े 7 बजे की थी। उसने साहिल से भी साथ चलने को कहा, लेकिन उसने टिकट न मिलने का बहाना बनाया। दोनों आनंद विहार बस स्टेशन पहुंचे, लेकिन यहां उन्हें पता चला कि बस कश्मीरी गेट से मिलेगी। दोनों वहां से कश्मीरी गेट चले गए। साहिल के पास लगातार फोन आ रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने आगे बताया कि 10 फरवरी को ही साहिल की शादी होनी थी, इसलिए उसके परिवार वाले उसे लगातार कॉल कर रहे थे। निक्की को जब इस बारे में पता चला तो दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। सुबह करीब 9 बजे साहिल ने कश्मीरी गेट इलाके में ही कार के अंदर डेटा केबल से निक्की का गला घोंट दिया।

दिल्ली के शकूरपुर में डबल मर्डर से सनसनी

अवैध संबंध के शक में पत्नी और बेटे की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शकूरपुर इलाके में डबल मर्डर की खबर से सनसनी मच गई। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर अपना जुर्म कबूल कर लिया। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शकूरपुर इलाके में बृजेश नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटे की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी को पत्नी के अवैध संबंध का शक था। घटना के

बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने कहा कि बृजेश के रूप में पहचाने गए आरोपी ने शुक्रवार रात अपनी पत्नी अंजलि (24) और छह महीने के बेटे को चाकू और पेचकश से मार डाला। बाद में उसने पुलिस को फोन किया और अपराध कबूल कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच चल रही है।

स्कूल के प्रत्येक शिक्षक और प्रिंसिपल के लिए प्रशिक्षण होगा जरूरी, हर साल करीब 50 घंटे की होगी ट्रेनिंग

नई दिल्ली। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की चल रही कोशिशों के बीच शिक्षा मंत्रालय ने एक और अहम कदम उठाया है। इसके तहत स्कूलों में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों और प्रिंसिपलों के लिए अब प्रशिक्षण जरूरी होगा, जो उन्हें एनईपी के प्रभावी अमल होने तक हर साल दिया जाएगा। इनमें उन सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा, जो एनईपी के तहत स्कूलों में लागू किए जा रहे है, या फिर आने वाले नए स्कूली पाठ्यक्रम के तहत पढ़ाए जाने वाले है। खासबात यह है कि इस प्रशिक्षण के दायरे में

सिर्फ सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले ही शिक्षक और प्रिंसिपल नहीं आएंगे बल्कि निजी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षक और प्रिंसिपल भी शामिल होंगे। हालांकि, वह उनके लिए जरूरी नहीं होगा, लेकिन स्कूलों के लिए प्रस्तावित ग्रेडिंग व्यवस्था में यह शामिल होगा।

हर साल 50 घंटे का होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस योजना के तहत स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों और प्रिंसिपलों के प्रशिक्षण का जो रोडमैप तैयार किया है, उसके तहत यह हर साल करीब 50 घंटे का होगा। प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों के एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में यह प्रशिक्षण दर्ज भी होगा। फिलहाल मंत्रालय ने इस प्रशिक्षण के फ्रेमवर्क को तैयार करने के लिए एनसीटीई (नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन) और राज्यों के साथ चर्चा शुरू कर दी है।

प्रिंसिपलों पर रहेगा विशेष फोकस

मंत्रालय के मुताबिक, प्रशिक्षण की इस पहल में प्रिंसिपलों पर विशेष फोकस किया गया है। उन्हें लीडरशिप और नवाचार को लेकर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके आधार पर ही वह स्कूलों में पढ़ने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को पहचान सकेंगे और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सारी सुविधाएं मुहैया करा सकेंगे। अभी नौकरी मिलने के बाद शिक्षकों को एक अंतराल पर ही प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है। वह भी जरूरी नहीं है।

गौरतलब है कि मौजूदा समय में देश में करीब 15 लाख स्कूल है। इनमें दस लाख से ज्यादा सरकारी स्कूल है। इनमें ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में ही स्थिति है।

शिंदे की हुई शिवसेना, तीर-कमान निशान भी मिला, चुनाव आयोग बोला- उद्धव गुट ने चुनाव बगैर लोगों को नियुक्त किया; यह असंवैधानिक

मुंबई। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना मान लिया है। आयोग ने शुक्रवार शाम को शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर-कमान का निशान इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी। आयोग ने पाया कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। उद्धव गुट ने बिना चुनाव कराए अपनी मंडली के लोगों को अलोकतांत्रिक रूप से पदाधिकारी नियुक्त करने के लिए इसे बिगाड़ा।

चुनाव आयोग ने यह भी पाया कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को चुनाव आयोग 1999 में नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है। इसी के साथ महाराष्ट्र में शिवसेना से अब उद्धव गुट की दावेदारी खत्म मानी जा रही है।

शिंदे ने कहा- यह लोकतंत्र की जीत है

चुनाव आयोग के फैसले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा- यह हमारे कार्यकर्ताओं, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और लाखों शिवसैनिकों सहित बालासाहेब और आनंद दीघे की विचारधाराओं की जीत है। यह लोकतंत्र की जीत है।

उन्होंने कहा- यह देश बाबासाहेब अंबेडकर की ओर से तैयार किए गए संविधान पर चलता है। हमने उस संविधान के आधार पर अपनी सरकार बनाई। चुनाव आयोग का आज जो आदेश आया है, वह मेरिट के आधार पर है। मैं चुनाव आयोग का आभार व्यक्त करता हूं।

उद्धव ठाकरे से छिनेगी शिवसेना की 334 करोड़ रुपए की संपत्ति

चुनाव आयोग का फैसला लागू हुआ तो शिवसेना की सभी संपत्तियों से उद्धव ठाकरे को हाथ धोना पड़ेगा।ष्ठक्र के आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 में शिवसेना के पास 148.46 करोड़ की एफडी और 186 करोड़ की अचल संपत्ति है। अब शिंदे गुट असली शिवसेना के रूप में जिसे कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपेगा, उसके हस्ताक्षर को पार्टी की तरफ से वित्तीय लेन-देन के लिए मान्यता मिलेगी। महाराष्ट्र में 82 जगहों पर शिवसेना के दफ्तर हैं। सूत्रों का कहना है कि बाला साहब ने अपनी वसीयत में मुंबई में स्थित मातोश्री के तीन मंजिला भवन की पहली मंजिल जयदेव के नाम और दूसरी तथा तीसरी मंजिल उद्धव के नाम कर दी जबकि ग्राउंड फ्लोर को शिवसेना के लिए रखा था। अब उद्धव ठाकरे के पास से मातोश्री इमारत के ग्राउंड फ्लोर का मालिकाना हक चला जाएगा।

फडणवीस बोले- हम पहले दिन से आश्वस्त थे-महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा- सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना को शिवसेना का चिन्ह और नाम मिला है। असली शिवसेना एकनाथ शिंदे की शिवसेना बनी है। हम पहले दिन से आश्वस्त थे, क्योंकि चुनाव आयोग के अलग पार्टियों के बारे में इसके पहले के निर्णय देखे तो इसी प्रकार का निर्णय आए हैं।

उद्धव बोले- सरकार की दादागीरी चल रही-उद्धव ठाकरे ने फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा- देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है। पार्टी किसकी है, ये चुने हुए प्रतिनिधि ही तय करेंगे तो संगठन का क्या मतलब रह जाएगा। चुनाव आयोग का फैसला लोकतंत्र के लिए घातक है। हमारी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। देश में सरकार की दादागीरी चल रही है। हिम्मत है तो चुनाव मैदान में आइये, चुनाव लड़िए। वहां जनता बताएगी कि कौन असली है और कौन नकली।

संजय राउत ने कहा- देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा

चुनाव आयोग के फैसले पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने ट्वीट किया- इसकी स्क्रिप्ट पहले से तैयार थी। देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। कहा गया था कि नतीजा हमारे पक्ष में होगा, लेकिन अब एक चमत्कार हो गया है। लड़ते रहो। ऊपर से नीचे तक करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाया है। हमें फिक्र करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जनता हमारे साथ है। हम जनता के दरबार में नया चिह्न लेकर जाएंगे और फिर से शिवसेना खड़ी करके दिखाएंगे,

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ऊंची उड़ान

एयर इंडिया द्वारा फ्रांस व अमेरिका से चार सौ सत्तर विमानों की खरीद का समझौता विमानन क्षेत्र में भारत की बढ़ती दखल का परिचायक ही है। ऐसे समय में जब दुनिया की अर्थव्यवस्था कोरोना संकट के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते हिचकोले खा रही है, भारत का इतना बड़ा समझौता हमारी बढ़ती आर्थिक ताकत को दर्शाता है। जहां यह समझौता एक ओर रोजगार बढ़ाने में सहायक होगा, वहीं अमेरिका तथा फ्रांस-ब्रिटेन के साथ संबंधों को नई उष्मा देगा। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया ने अमेरिका की बोइंग कंपनी से दो सौ बीस तथा फ्रांस की कंपनी एयरबस से ढाई सौ विमान खरीदने का करार किया है। इस समझौते को विमानन क्षेत्र का सबसे बड़ा खरीद का समझौता बताया जा रहा है। समझौते से ब्रिटेन भी खासा खुश है। इसकी वजह यह है कि फ्रांस की कंपनी एयरबस के विमानों में लगने वाला इंजन ब्रिटिश कंपनी रॉल्स रॉयस द्वारा तैयार किया जायेगा। जो ब्रिटेन में भी रोजगार वृद्धि का वाहक बनेगा। तभी ब्रिटेन ने भी समझौते का स्वागत किया है। हालांकि, विमानों के भारत पहुंचने में दो साल तक का समय लग सकता है लेकिन इसकी शुरुआत इस साल के अंत तक हो जायेगी। बहरहाल, समझौता टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया में नये प्राण संचरण के बाद इसे नई ऊंचाई तक ले जाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। निस्संदेह हवाई सेवाओं में विस्तार के चलते देश में भी बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय विमानन बाजार में मध्यपूर्व की विमानन कंपनियों के दबदबे को खत्म करने में भी मदद मिलेगी। विमानन विशेषज्ञ उम्मीद जता रहे हैं कि भारत इस खरीद के बाद दुनिया के विमानन क्षेत्र में तीसरा बड़ा बाजार बन जायेगा। हाल के दिनों में देश में तेजी से हवाई अड्डों और आधारभूत संरचना का विस्तार किया जा रहा है। इससे विमानन क्षेत्र में नये रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा। निस्संदेह, इस समझौते के बाद भारत के अमेरिका व फ्रांस-ब्रिटेन से रिश्तों में नई रवानी आएगी। खासकर ऐसे वक्त में जब रूस-यूक्रेन युद्ध में पुराने मित्र रूस के खिलाफ भारत के मुखर न होने तथा कच्चा तेल खरीदने के कारण अमेरिका व यूरोपीय देशों की भृकुटियां तनी हुई थीं। निस्संदेह समझौते का दायरा बड़ा व्यापक है। यह इस बात से पता चलता है कि बोइंग से समझौते के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद बाइडन का कहना था कि इससे अमेरिका में दस लाख नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। साथ ही दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की बात भी कही गई। ऐसी ही खुशी ब्रिटेन में भी समझौते के चलते पैदा होने वाले रोजगार के अवसरों को लेकर है। निस्संदेह, भारत आज इस स्थिति में पहुंच गया कि वह दुनिया की महाशक्तियों की अर्थव्यवस्था में ऊर्जा के संचार का वाहक बन रहा है। वह भी तब जब कोरोना संकट के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हमारे कई पड़ोसियों समेत दुनिया के तमाम देशों की माली हालत खस्ता है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी

आज किसी भी देश के लिए जनसंख्या का अधिक होना और उसमें भी युवा जनसंख्या की भागीदारी ज्यादा होना, उस देश विशेष के लिए बहुत लाभकारी स्थिति बन जाती है। वह भी तब, जब विशेष रूप से कई विकसित देशों यथा, जापान, जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, चीन, कनाडा आदि में जन्म दर बहुत कम हो चुकी हो एवं इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही हो एवं युवा जनसंख्या का अभाव महसूस किया जा रहा हो। इस प्रकार भारत युवा जनसंख्या की दृष्टि से बहुत ही लाभप्रद स्थिति में आ गया है। भारत की कुल 140 करोड़ जनसंख्या में से 50 प्रतिशत जनसंख्या की आयु 25 वर्ष से कम है और 65 प्रतिशत जनसंख्या की आयु 35 वर्ष से कम है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

पूरे विश्व में सभी देशों का सकल घरेलू उत्पाद कुल मिलाकर लगभग 100 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। इसमें भारत का हिस्सा मात्र 3.50 प्रतिशत है अर्थात भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जबकि, पूरे विश्व के 17.5 प्रतिशत से अधिक लोग भारत में निवास करते हैं। जनसंख्या की दृष्टि से तुलना की जाय तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है, जिसे केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारें मिलकर अब इसे बहुत आगे ले जाने के कार्य में पूरे मनोयोग से कार्य करती दिखाई दे रही हैं। हालांकि, पूरे विश्व में सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत पांचवे स्थान पर आ गया है एवं अब भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं जर्मनी जैसे देश हैं। परंतु, अधिक जनसंख्या होने के कारण भारत में प्रति व्यक्ति आय अन्य कई देशों की तुलना में बहुत कम है। प्रत्येक भारतीय की औसत आय 2,200 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि अमेरिका में प्रति व्यक्ति औसत आय 70,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है और चीन की जनसंख्या भारत से भी अधिक होने के बावजूद प्रत्येक चीनी नागरिक की औसत आय 12,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है। इस प्रकार प्रत्येक भारतीय की औसत आय बढ़ाने के प्रयास किए जाना अब बहुत जरूरी है, जिसमें भारत की युवा शक्ति को अपना योगदान देना अब आवश्यक हो गया है। आज किसी भी देश के लिए जनसंख्या का अधिक होना और उसमें भी युवा जनसंख्या की भागीदारी ज्यादा होना, उस देश विशेष के लिए बहुत लाभकारी स्थिति बन जाती है। वह भी तब, जब विशेष रूप से कई विकसित देशों यथा, जापान, जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, चीन, कनाडा आदि में जन्म दर बहुत कम हो चुकी हो एवं इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही हो एवं युवा जनसंख्या का अभाव महसूस किया जा रहा हो। इस प्रकार भारत युवा जनसंख्या की दृष्टि से बहुत ही लाभप्रद स्थिति में आ गया है। भारत की कुल 140 करोड़ जनसंख्या में से 50 प्रतिशत जनसंख्या की आयु 25 वर्ष से कम है और 65 प्रतिशत जनसंख्या की आयु 35 वर्ष से कम है। सबसे अधिक युवा, अर्थात 18-35 वर्ष के आयु वर्ग में 60 करोड़ भारतीय नागरिक आते हैं। प्रत्येक भारतीय की औसत आयु मात्र 29 वर्ष है जबकि चीन के नागरिकों की औसत आयु 37 वर्ष एवं जापान के नागरिकों की औसत आयु 48 वर्ष है। इसीलिए भारत को एक युवा देश कहा जा रहा है और पूरे विश्व की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई हैं। अब तो यह स्थिति दिखाई देने लगी है कि यदि भारत आर्थिक प्रगति करेगा तो पूरा विश्व ही आर्थिक प्रगति करता हुआ दिखाई देगा, क्योंकि आगे आने वाले समय में भारत में विभिन्न उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ता हुआ नजर आएगा। आज भारत में साक्षरता दर 80 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई है, जो कि एक बहुत अच्छी दर कही जा सकती है। हालांकि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में शिक्षा का स्तर अलग अलग दिखाई देता है। इसलिए, भारत के युवाओं में कौशल के अभाव में भारत के आर्थिक विकास में इनका योगदान संतोषप्रद स्तर तक नहीं हो पा रहा है, कौशल के अभाव में इस वर्ग की उत्पादकता भी तुलनात्मक रूप से कम दिखाई देती है। भारत के युवाओं में शिक्षा के स्तर को और अधिक सुधारने के लिए अभी हाल ही के समय में भारत में कई नए शिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं। जैसे, 150 नए विश्वविद्यालय (वर्तमान में कुल 1070 विश्वविद्यालय कार्यरत) एवं 1570 नए महाविद्यालय (वर्तमान में कुल 43000 महाविद्यालय कार्यरत) स्थापित किए गए हैं। साथ ही, 7 नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वर्तमान में कुल 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कार्यरत) एवं 7 नए भारतीय प्रबंध संस्थान (वर्तमान में कुल 20 भारतीय प्रबंध संस्थान कार्यरत) स्थापित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार, देश के प्रत्येक जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना भी की जा रही है, वर्तमान में भारत में 650 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं। इस प्रकार के प्रयासों से देश के युवाओं में न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है बल्कि उनका कौशल भी विकसित हो रहा है। अब तो भारत में शिक्षित युवा कई विकसित देशों में पहुंचकर वहां के प्रौद्योगिकी, मेडिकल एवं प्रबंध के क्षेत्र में कई निजी संस्थानों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं एवं इन देशों के कई निजी संस्थानों को तो एक तरह से भारतीय ही चला रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (**ILO**) के अनुसार, वर्ष 2018 में भारत में बेरोजगारी की दर 4.9 प्रतिशत से, कोविड महामारी के चलते, बढ़कर 2020 में 7.5 प्रतिशत हो गई, हालांकि इसमें अब पुनः काफी सुधार दिखाई दिया है। इस बीच केंद्र सरकार ने रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से कई उपाय करते हुए कई नई योजनाओं की शुरुआत की है। देश में एक नए कौशल विकास एवं उद्यम मंत्रालय का गठन किया गया है जिसके द्वारा देश के युवाओं में कौशल विकास करने की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र में उद्यमियों को अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के उद्देश्य से बैंकों द्वारा आसान नियमों के अंतर्गत ऋण प्रदान करने हेतु प्रधान मंत्री मुद्रा योजना प्रारम्भ की गई है। इसी प्रकार महिलाओं तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उद्यमियों को अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने के उद्देश्य से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्टैंड-अप इंडिया नामक योजना प्रारम्भ की गई है। भारत में महिलाओं एवं अकुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के अधिक से अधिक नए अवसर निर्मित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि इस वर्ग के नागरिकों का भी देश के विकास में योगदान होता रहे। दूसरा, इस वर्ग के नागरिकों को सक्रिय करने से उद्योग जगत के लिए श्रमिकों की उपलब्धता बढ़ेगी, गरीबी में गिरावट दर्ज होगी, महिलाओं को रोजगार मिलेंगे और उनकी उत्पादकता भी देश हित में काम आने लगेगी, (वर्तमान में देश में महिलाओं की आबादी 50 प्रतिशत है जिसका देश के विकास में योगदान तो उच्च स्तर पर हो ही नहीं पा रहा है) तथा भारत श्रम के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेगा। निचले एवं मध्यम स्तर के श्रमिकों में कौशल विकसित कर उनको आगे के स्तर पर ले जाये जाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, ताकि निचले स्तर पर नए अकुशल श्रमिकों की भर्ती की जा सके। भारत में प्रति व्यक्ति आय को अमृत काल के दौरान वर्ष 2047 तक लगभग तिगुना करने की योजना बनाई गई है। प्रति व्यक्ति औसत आय को 445,000 रुपए प्रति वर्ष तक ले जाना है। इसके लिए गांव एवं शहर में निवास कर रहे नागरिकों के बीच औसत आय के अंतर को समाप्त करने की भी योजना बनाई जा रही है। भारत में श्रम बहुत सस्ता है, अतः सस्ते एवं कुशल श्रम को अपनी ताकत बनाकर भारत विनिर्माण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ताकत बनने का प्रयास कर रहा है। साथ ही, भारतीय कुशल श्रम को विभिन्न देशों को भी उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए छोटे छोटे बच्चों में बचपन में ही सेवा भावना का विकास किया जाता है एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम' का भाव जगाया जाता है। विशेष रूप से भारतीय महिलाओं में पाए जाने वाले इस सेवा भाव के कारण आज खाड़ी के कई देशों एवं जापान आदि जैसे देशों में भारतीय नर्सों की वहां अस्पतालों में बहुत अधिक मांग है। केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों ने इस संदर्भ में कई विशेष योजनाएं प्रारम्भ की हैं, आज आवश्यकता इस बात की है कि देश के युवाओं को आगे आकर इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने कौशल को विकसित कर देश के विकास में अपने योगदान को बढ़ाना चाहिए ताकि भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाया जा सके। साथ ही, आज उच्च शिक्षित एवं कौशल प्राप्त भारतीय युवाओं के लिए अन्य देशों में भी रोजगार की दृष्टि से बहुत अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार की नीतियों के चलते कई विकसित देश जैसे, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जापान, कनाडा, अमेरिका, जर्मनी, खाड़ी के देश, आदि तो आज भारतीय मूल के नागरिकों पर विश्वास करते हुए उन्हें राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक आदि क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

गुरिल्ला युद्ध के अविष्कारक श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/19 फरवरी जन्म जयंती विशेष)

भारत के वीर सपूतों में से एक श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में सभी लोग जानते हैं। बहुत से लोग इन्हें हिन्दू हृदय सम्राट कहते हैं तो कुछ लोग इन्हें मराठा गौरव कहते हैं, जबकि वे भारतीय गणराज्य के महानायक थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म सन् 19 फरवरी 1630 में मराठा परिवार में हुआ। कुछ लोग 1627 में उनका जन्म बताते हैं। उनका पूरा नाम शिवाजी भोंसले था।

शिवाजी पिता शाहजी और माता जीजाबाई के पुत्र थे। उनका जन्म स्थान पुणे के पास स्थित शिवनेरी का दुर्ग है। राष्ट्र को विदेशी और आततायी राज्य-सत्ता से स्वाधीन करा सारे भारत में एक सार्वभौम स्वतंत्र शासन स्थापित करने का एक प्रयत्न स्वतंत्रता के अनन्य पुजारी वीर प्रवर शिवाजी महाराज ने भी किया था। इसी प्रकार उन्हें एक अग्रगण्य वीर एवं अमर स्वतंत्रता-सेनानी स्वीकार किया जाता है। महाराणा प्रताप की तरह वीर शिवाजी राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक एवं परिचायक थे।

मुस्लिम विरोधी नहीं थे शिवाजी -

शिवाजी पर मुस्लिम विरोधी होने का दोषारोपण किया जाता रहा है, पर यह सत्य इसलिए नहीं कि उनकी सेना में तो अनेक मुस्लिम नायक एवं सेनानी थे ही, अनेक मुस्लिम सरदार और सूबेदारों जैसे लोग भी थे। वास्तव में शिवाजी का सारा संघर्ष उस कट्टरता और उद्दंडता के विरुद्ध था, जिसे औरंगजेब जैसे शासकों और उसकी छत्रछाया में पलने वाले लोगों ने अपना रखा था।

1674 की ग्रीष्म ऋतु में शिवाजी ने धूमधाम से सिंहासन पर बैठकर स्वतंत्र प्रभुसत्ता की नींव रखी। दबी-कुचली हिन्दू जनता को उन्होंने भयमुक्त किया। हालांकि ईसाई और मुस्लिम शासक बल प्रयोग के जरिए बहुसंख्य जनता पर अपना मत थोपते, अतिरिक्त कर लेते थे, जबकि शिवाजी के शासन में इन दोनों संप्रदायों के आराधना स्थलों की रक्षा ही नहीं की गई बल्कि धर्मान्तरित हो चुके मुसलमानों और ईसाईयों के लिए भयमुक्त माहौल भी तैयार किया। शिवाजी ने अपने आठ मंत्रियों की परिषद के जरिए उन्होंने छह वर्ष तक शासन किया। उनकी प्रशासनिक सेवा में कई मुसलमान भी शामिल थे।

धार्मिक संस्कारों का निर्माण-

उनका बचपन उनकी माता जिजाऊ के मार्गदर्शन में बीता। माता जीजाबाई धार्मिक स्वभाव वाली होते हुए भी गुण-स्वभाव और व्यवहार में वीरांगना नारी थीं। इसी कारण उन्होंने बालक शिवा का पालन-पोषण रामायण, महाभारत तथा अन्य भारतीय वीरात्माओं की उज्ज्वल कहानियां सुना और शिक्षा देकर किया था। दादा कोणदेव के संरक्षण में उन्हें सभी तरह की सामयिक युद्ध आदि विधाओं में भी निपुण बनाया था। धर्म, संस्कृति और राजनीति की भी उचित शिक्षा दिलवाई थी। उस युग में परम संत रामदेव के संपर्क में आने से शिवाजी पूर्णतया राष्ट्रप्रेमी, कर्त्तव्यपरायण एवं कर्मठ योद्धा बन गए।

बचपन में खेल खेल मे सीखा किला जीतना -

बचपन में शिवाजी अपनी आयु के बालक इकट्ठे कर उनके नेता बनकर युद्ध करने और किले जीतने का खेल खेला करते थे। युवावस्था में आते ही उनका खेल वास्तविक कर्म शत्रु बनकर शत्रुओं पर आक्रमण कर उनके किले आदि भी जीतने लगे। जैसे ही शिवाजी ने पुरंदर और तोरण जैसे किलों पर अपना अधिकार जमाया, वैसे ही उनके नाम और कर्म की सारे दक्षिण में धूम मच गई, यह खबर आग की तरह आगरा और दिल्ली तक जा पहुंची। अत्याचारी किस्म के तुर्क, यवन और उनके सहायक सभी शासक उनका नाम सुनकर ही मारे डर के चिंतित होने लगे थे।

पत्नी और पुत्र-

छत्रपति शिवाजी महाराज का विवाह सन् 14 मई 1640 में सइबाई निम्बालकर के साथ लाल महल, पुना में हुआ था। उनके पुत्र का नाम सम्भाजी था। सम्भाजी (14 मई, 1657 - मृत्यु- 11 मार्च, 1689) शिवाजी के ज्येष्ठ पुत्र और उत्तराधिकारी थे, जिसने 1680 से 1689 ई. तक राज्य किया। शम्भुजी में अपने पिता की कर्मठता और दृढ़ संकल्प का अभाव था। सम्भाजी की पत्नी का नाम येसुबाई था। उनके पुत्र और उत्तराधिकारी राजाराम थे।

बालसाहित्यकार -

संभाजी को विश्व का प्रथम बालसाहित्यकार माना जाता है। 14 वर्ष की आयु तक बुधभूषणम् (संस्कृत), नायिकाभेद, सातसतक, नखशिख (हिंदी) इत्यादि ग्रंथों की रचना करने वाले संभाजी विश्व के प्रथम बालसाहित्यकार थे। मराठी, हिंदी, फ़ारसी , संस्कृत, अंग्रेज़ी, कन्नड़ आदि भाषाओं पर उनका प्रभुत्व था। जिस तेजी से उन्होंने लेखनी चलाई, उसी तेजी से उन्होंने तलवार भी चलाई। शिवाजी की कई पत्नियां और दो बेटे थे, उनके जीवन के अंतिम वर्ष उनके ज्येष्ठ पुत्र की धर्मविमुखता के कारण परेशानियों में बीते।

उनका यह पुत्र एक बार मुगलों से भी जा मिला था और उसे बड़ी मुश्किल से वापस लाया गया था। घरेलु झगड़ों और अपने मंत्रियों के आपसी वैमनस्य के बीच साम्राज्य की शत्रुओं से रक्षा की चिंता ने शीघ्र ही शिवाजी को मृत्यु के कगार पर पहुंचा दिया। शिवाजी की 1680 में कुछ समय बीमार रहने के बाद अपनी राजधानी पहाड़ी दुर्ग राजगढ़ में 3 अप्रैल को मृत्यु हो गई।

धोखे से जब शिवाजी को मारना चाहा -

शिवाजी के बढ़ते प्रताप से आतंकित बीजापुर के शासक आदिलशाह जब शिवाजी को बंदी न बना सके तो उन्होंने शिवाजी के पिता शाहजी को गिरफ्तार किया। पता चलने पर शिवाजी आगबबूला हो गए। उन्होंने नीति और साहस का सहारा लेकर छापामारी कर जल्द ही अपने पिता को इस कैद से आजाद कराया।

तब बीजापुर के शासक ने शिवाजी को जीवित अथवा मुर्दा पकड़ लाने का आदेश देकर अपने मक्कार सेनापति अफजल खां को भेजा। उसने भाईचारे व सुलह का झूठा नाटक रचकर शिवाजी को अपनी बांहों के घेरे में लेकर मारना चाहा, पर समझदार शिवाजी के हाथ में छिपे बघनखे का शिकार होकर वह स्वयं मारा गया। इससे उसकी सेनाएं अपने सेनापति को मरा पाकर वहां से दुम दबाकर भाग गईं।

मुगलों से टक्कर -

शिवाजी की बढ़ती हुई शक्ति से चिंतित हो कर मुगल बादशाह औरंगजेब ने दक्षिण में नियुक्त अपने सूबेदार को उन पर चढ़ाई करने का आदेश दिया। लेकिन सुबेदार को मुंह की खानी पड़ी। शिवाजी से लड़ाई के दौरान उसने अपना पुत्र खो दिया और खुद उसकी अंगुलियां कट गई। उसे मैदान छोड़कर भागना पड़ा। इस घटना के बाद औरंगजेब ने अपने सबसे प्रभावशाली सेनापति मिर्जा राजा जयसिंह के नेतृत्व में लगभग 1 00,000 सैनिकों की फौज भेजी। शिवाजी को कुचलने के लिए राजा जयसिंह ने बीजापुर के सुल्तान से संधि कर पुरन्दर के क़िले को अधिकार में करने की अपने योजना के प्रथम चरण में 24 अप्रैल, 1665 ई. को व्रजगढ़ के किले पर अधिकार कर लिया। पुरन्दर के किले की रक्षा करते हुए शिवाजी का अत्यन्त वीर सेनानायक मुरार जी बाजी मारा गया। पुरन्दर के क़िले को बचा पाने में अपने को असमर्थ जानकर शिवाजी ने महाराजा जयसिंह से संधि की पेशकश की। दोनों नेता संधि की शर्तों पर सहमत हो गए और 22 जून, 1665 ई. को पुरन्दर की सन्धि सम्पन्न हुई।

भ्रष्ट अधिकारियों और राजनेताओं के घरों पर क्यों नहीं चलते बुलडोजर

(लेखक - सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में अपराधिक मामलों को लेकर बुलडोजर चलाने की घटनाएं बड़ी तेजी के साथ सामने आई हैं। म.प्र., उ.प्र.. असम एवं अन्य राज्यों में बुलडोजर से मकान तोड़ने और अ तिक्रमण के नाम पर सभी राज्यों में गरीबों के घर बुलडोजर से तोड़े जा रहे हैं। अतिक्रमण हो या कोई अपराधिक घटना में लिप्त हो, बिना मुकदमा चलाए बिना नो टिस दिये उनके घरों को तोड़ दिया जाता है। उसके बाद जनता के मन में एक बात घर करने लगी है, कि सरकार के अधिकारी और जो राजनेता भ्रष्ट हैं। जिन्होंने कुछ ही वर्षो में करोड़ों और अरबों रुपए की कमाई कर ली है। जिनके पास 10 साल पहले कुछ नहीं था। आज ऐसो आराम के सारे साधन हैं। कई महंगी गाड़ियां हैं। बड़े-बड़े बंगले बन गए हैं। उनका कोई कारोबार भी नहीं है। उसके बाद भी इतना धन उनके पास कहां से आया। यह भी अवैध निर्माण और सरकारी जमीनों पर कब्जा करते हैं। इसको देखने वाला कोई नहीं है। क्योंकि वह राजनीति या सत्ता से जुड़े हुए होते हैं। ऐसे लोगों पर कोई कार्यवाही नहीं होती है। यदि जांच में पकड़े भी जाते हैं, तो सरकार मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं देती है। भ्रष्ट अधिकारी और भ्रष्ट राजनेता अब आम जनता की नजर में खटकने लगे हैं। जब गरीबों की झोपड़ियों को अतिक्रमण बताकर बुलडोजर से तोड़ दिया जाता है। परिवार के किसी सदस्य से यदि कोई अपराध हो जाता है या झूठे आरोप लगाकर उसके परिवार का मकान तोड़ दिया जाता है। उसने अपराध किया है या नहीं किया है इसकी जांच भी नहीं होती है। लेकिन ताबड़तोड़ तरीके से जिस तरह शासन और प्रशासन पूरे परिवार के लोगों को सड़क पर लाकर खड़ा कर देता है। बुलडोजर से उनकी गृहस्थी का सामान नष्ट हो जाता है। उसके बाद लोगों का गुस्सा अब बढ़ने लगा है। आम गरीब आदमी भी अपने गुस्से का इजहार करने का कोई मौका नहीं चूक रहा है। आम आदमी को हर दिन सरकारी काम के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को रिश्वत देनी पड़ती है। उसके बाद में उनके काम नहीं होते हैं। महीनों उन्हें भटकाया जाता है। हर काम बिना रिश्वत के नहीं होता है। उसके बाद भी सरकार भ्रष्ट अ धिका रियों और कर्मचा रियों पर कोई कार्यवाही नहीं करती है। इससे आम जनता का गुस्सा स्पष्ट रूप से देखने को मिलने लगा है। हाल ही में भाजपा शा सित राज्यों में जो विकास यात्राएं आयोजित की गई थी, उसमें सरकार ने अपनी योजनाओं का गुणगान किया। लेकिन उन योजनाओं की हकीकत वास्तव में क्या थी, यह विकास यात्रा से नेताओं और अधिकारियों को भी पता लग गया है। केवल घोषणाएं करने या भाषण बाजी से कुछ नहीं होगा। जनता अब इस तरह की घोषणाओं और बयानबाजी से चिढ़ने लगी है। नेताओं और अधिकारियों का वहीं पर विरोध करने का कोई मौका जनता नहीं चूकती है। गरीब अब यह मुखर होकर कहने लगा है कि हमारे यहां तो बुलडोजर चल जाता है। लेकिन भ्रष्ट अधिकारी और राजनेता क्यों बचे हुए हैं। इसको लेकर आम जनता का विद्रोह भी देखने को मिल रहा है। सरकारी मदद को एक पार्टी विशेष की उपलब्धि बताकर और उस पर एहसान जताकर लोगों को भिखारी होने का एहसास नेता और अ धिकारी कराने लगे हैं। इससे गरीब आम जनता का

आत्मसम्मान और स्वाभिमान भी कहीं ना कहीं प्रभावित हो रहा है। इसके कारण अब जनता का गुस्सा जगह-जगह देखने को मिल रहा है। समय रहते राजनेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों को सचेत होने की जरूरत है। य दि गरीबों और बेगुनाओं के उपर इसी तरह का जुल्म जारी रहा, तो ऐसी स्थिति में गरीबों के भीड़ तंत्र को नियं त्रित कर पाना शासन-प्रशासन के लिये संभव नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौद्रिक नीति को महंगाई दर के विरुद्ध बनाए रखना जरूरी: आरबीआई

मुंबई । जनवरी में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर में तेज बढ़ोतरी को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अर्थव्यवस्था की स्थिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई दर की वापसी खतरनाक हो सकती है। रिजर्व बैंक ने कहा है ऐसी स्थिति में मौद्रिक नीति को महंगाई दर के विरुद्ध बनाए रखने की जरूरत है। इससे संकेत मिलता है कि कीमत की स्थिरता लेकर रिजर्व बैंक अपने रुख में ढील नहीं देने वाला है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 250 आधार अंक की बढ़ोतरी की है और अब यह 6.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है। विश्लेषक अब रेपो रेट को लेकर ठहराव की उम्मीद कर रहे हैं। मौद्रिक नीति कार्रवाई के असर और आगे के रुख पर रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले साल में महंगाई की वापसी और इसके कठोर होने की उम्मीद है।

सरकारी बॉन्ड की कीमतें धराशायी

- पांच महीने बाद अंडरराइटर्स के खाते में गया बॉन्ड का बड़ा हिस्सा

नई दिल्ली । सरकारी बांड की कीमतें धराशायी हो गईं और 10 वर्षीय बेंचमार्क प्रतिभूतियों का प्रतिफल दो हफ्ते के उच्चस्तर पर आ गया क्योंकि तय सॉवरिन डेट की नीलामी का बड़ा हिस्सा अप्रत्याशित तौर पर अंडरराइटर्स के खातों में चला गया। यह बताता है कि मांग कमजोर थी। ट्रेडरों ने यह जानकारी दी। सबसे ज्यादा लिक्विड 10 वर्षीय बांड का प्रतिफल 5 आधार अंक बढ़कर 7.39 फीसदी पर टिका, जो 30 जनवरी के बाद से बॉन्ड का सबसे ऊंचा क्लोजिंग प्रतिफल है। बॉन्ड की कीमतें व प्रतिफल एक दूसरे के विपरीत दिशा में चलते हैं। 10 वर्षीय बॉन्ड के प्रतिफल में एक आधार अंक की बढ़ोतरी से उसकी कीमतों में मोटे तौर पर सात पैसे की गिरावट आती है। शुक्रवार की प्राइमरी नीलामी में भारतीय रिजर्व बैंक ने 8,254.37 करोड़ रुपए के नए 10 वर्षीय बॉन्ड प्राइमरी डीलरों को हस्तांतरित किए, जबकि अधिसूचित रकम 12,000 करोड़ रुपये की है। वरिन बॉन्ड की नीलामी का कुल आकार 28,000 करोड़ रुपए का है। प्राइमरी डीलर वे इकाइयां होती हैं, जो सरकारी बॉन्ड को अंडरराइट करती हैं। प्राइमरी नीलामी में बॉन्ड का हस्तांतरण मोटे तौर पर उच्च प्रतिफल या कम कीमत को लेकर आरबीआई की असहजता को बताता है। बॉन्ड के निवेशक ज्यादा रिटर्न मांगते हैं जब डेट का परिदृश्य कई वजहों मसलन उच्च महंगाई या बॉन्ड की भारी आपूर्ति के कारण प्रतिकूल हो जाते हैं।

पीडब्ल्यूसी दो साल में भारत में 30,000 लोगों को नौकरी देगी : चेयरमैन

नई दिल्ली । वैश्विक परामर्श कंपनी पीडब्ल्यूसी अगले एक-दो साल में भारत में 30,000 लोगों को रोजगार मुहैया कराएगी। कंपनी के चेयरमैन बॉब मॉरिट्ज ने यह जानकारी दी। वैश्विक व्यवसाय शिखर सम्मेलन में परिचर्चा के दौरान मॉरिट्ज ने कहा कि भारत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के उपयोग की बदौलत दुनिया के लिए उस प्रतिभा का आपूर्तिकर्ता बन सकता है, जो बाकी देशों में नहीं हैं। मॉरिट्ज ने कहा, आज हमारे पास लगभग 31,000 लोग हैं। हमारी योजना अगले कुछ वर्षों में 30,000 और लोगों को नियुक्त करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि वह भारत को लेकर काफी आशावादी हैं। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा दुनिया में कोई दूसरी जगह नहीं है जहां हमने सबसे ज्यादा निवेश किया है। भारत में आज अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में हमारा तीसरा सबसे बड़ा कारोबार है।

हुंडई की ईवी बिक्री हुई 1 लाख से ज्यादा

-एक उद्योग अधिकारी ने दी यह जानकारी

सियोल । पिछले महीने अमेरिका में हुंडई मोटर ग्रुप के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री एक लाख यूनिट से अधिक हो गई। हुंडई मोटर, इसका स्वतंत्र जेनेसिस ब्रांड और हुंडई की छोटी सहयोगी किआ कॉर्प ने जनवरी के अंत तक अमेरिकी बाजार में संचयी 104,326 ईवी बेची थी, एक उद्योग अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2014 में किआ सोल ईवी के साथ दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऑटोमोबाइल बाजार में आगे बढ़ने के बाद तीन ब्रांडों ने आठ वर्षों में अमेरिका में ईवी की बिक्री 100,000 यूनिट से अधिक हासिल की। उन्होंने कहा- हुंडई आईओएनआईक्यू 5, किआ ईवी6 और जेनेसिस जीवी60 की मजबूत मांग ने अमेरिका में ऑटो समूह की ईवी बिक्री को पिछले वर्ष 19,590 से 2022 में लगभग तिगुना कर 58,028 इकाई कर दिया। हुंडई आईओएनआईक्यू 5 और किआ ईवी6 कोरियाई ऑटोमोटिव समूह के ईवी-समर्पित प्लेटफॉर्म से लैस हैं जिसे ई-जीएमपी कहा जाता है।अधिकारी ने कहा कि तीनों ब्रांड 2023 में कुल 131,000 ईवी बेचने का लक्ष्य बना रहे हैं, जो 2022 की बिक्री से दोगुना से अधिक है। समूह की इस साल अमेरिका में हुंडई आईओएनआईक्यू 6, किआ ईवी9 और जेनेसिस जीवी70 ऑल-इलेक्ट्रिकमॉडल लॉन्च करने की योजना है। समूह के कार्यकारी अध्यक्ष यूसुन चुंग ने कहा कि कंपनी वैश्विक ईवी बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करेगी और 2023 में स्वायत्त ड्राइविंग, भविष्य की गतिशीलता और रोबोटिक्स में एक नया विकास चालक पैदा करेगी। कोविड-19 महामारी और मुद्रास्फीति में कमी अधिनियम (आईआरए) इस वर्ष अमेरिका में समूह की बिक्री के लिए प्रमुख चिंताएं हैं। आईआरए टैक्स क्रेडिट से उत्तरी अमेरिका के बाहर निर्मित ईवी को बाहर करता है। नए कानून से व्यापक रूप से हुंडई और किआ को झटका लगने की उम्मीद है, क्योंकि वह अमेरिका में निर्यात के लिए घरेलू संयंत्रों में अपने ईवी का उत्पादन करते हैं।

मनरेगा के लिए धन आवंटन कम नहीं हुआ: सीतारमण

भुवनेश्वर । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के लिए धन आवंटन कम नहीं हुआ है। यह एक मांग संचालित योजना है और जब मांग बढ़ती है, तो केंद्र धन प्रदान करता है। सीतारमण ने कहा कि बजट आवंटन एक बात है और यह योजना अपने आप में एक मांग आधारित योजना है, जब भी मांग बढ़ती है, हम इसके लिए धन उपलब्ध कराते हैं। यह 2014 के बाद से पिछले वर्षों में किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि आप पिछले वर्षों में देखें, तो हमने मनरेगा के लिए पूरक बजट में कुछ पैसे जोड़े हैं। यहां तक कि कोविड महामारी के दौरान भी योजना के लिए आवंटन एक लाख करोड़ रुपए को पार कर गया था। विशेष रूप से, 2022-2023 के बजट अनुमान (बीई) में 73,000 करोड़ रुपए के आवंटन के मुकाबले, वर्तमान आवंटन को घटाकर 60,000 करोड़ रुपए कर दिया गया था।

गेहूं और चावल की खरीद के लिए फंडिंग पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे बिल्कुल भी कम नहीं किया है। किसानों को दी गई कुल राशि बहुत अधिक है क्योंकि न्यूनतम बिक्री मूल्य बढ़ गया है। खरीद पर खर्च की गई कुल राशि अब तक के उच्चतम स्तर पर है। आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि इन आंकड़ों में कोई कमी नहीं आ रही है। आयुष्मान भारत योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा और संक्रमण के लिए आवंटित धन कोई सब्सिडी नहीं है। यह जीवाश्म ईंधन से हरित ऊर्जा में संक्रमण के लिए है। फंड सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी रिफाइनरियों को उनके उत्सर्जन को कम करने के लिए अपग्रेड करने और यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि हमारे रणनीतिक भंडार पर्याप्त रूप से भरे हुए हैं। अडानी समूह की कंपनियों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निवेश के बारे में पूछे जाने पर सीतारमण ने कहा कि एसबीआई पहले ही अपने जोखिम पर एक बयान दे चुका है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) केंद्र को प्रत्येक मामले की रिपोर्ट नहीं करता है।

इस हफ्ते सोना 901 रुपए और चांदी 1,807 रुपए फिसली

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने और चांदी के भाव में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। एक वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत में सोना 57,076 रुपए पर था जो अब 56,175 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 901 रुपए कम हुई है। वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 1,800 रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 66,307 रुपए पर थी, जो अब 64,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,807 रुपए कम हुई है। इस महीने की शुरुआत में चांदी 69,445 रुपए पर थी। 2 फरवरी को सोना अपने सार्वकालिक उच्च स्तर पर था। तब सोना 58 हजार 882 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। हालांकि इसके बाद सोने में गिरावट देखने को मिली है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की गिरावट रही

मुंबई । (एजेंसी)

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से बीते सप्ताह सेंसेक्स (0.52 प्रतिशत) और निफ्टी (0.51 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए। लेकिन विदेशी निवेशकों कि बिकवाली की वजह से इस सप्ताह के मुकाबले पिछले सप्ताह बाजार में हल्की तेजी रही। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों में सप्ताह में तीन दिन गिरावट और दो दिन तेजी दर्ज की गई। पिछले सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 181 अंक गिरकर 60,502 पर खुला और 250.86 अंक की गिरावट के साथ 60,431.84 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 23 अंक गिरकर 17,833 पर खुला और 85.60 अंक की गिरावट के साथ 17,770.90 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 210 अंक चढ़कर 60,641 पर खुला और 600 अंक की तेजी के साथ 61000 के पार 61032 पर बंद हुआ। निफ्टी 49 अंकों की बढ़त के साथ 17,820 पर खुला और 158 अंक की तेजी के साथ 17929 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 258 अंक टूटकर 60,774 पर खुला और 242.83 अंक चढ़कर 61275.09 पर बंद हुआ। निफ्टी 68 अंक गिरकर 17,862 पर खुला और 86 अंक चढ़कर 18015.85 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 396 अंक चढ़कर 61,671 पर खुला और 44.42 अंक चढ़कर 61,319.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 110 अंक चढ़कर 18,126 पर खुला और 20 अंक चढ़कर 18035.85 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 326 अंक टूटकर 60,994 पर खुला और 316.94 अंक (0.52 प्रतिशत) गिरावट के साथ 61,002.57 पर बंद हुआ। निफ्टी 61 अंकों के नुकसान के साथ 17,975 पर खुला और 91.65 अंक (0.51 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 17,944.20 पर बंद हुआ।

टोरंटो, कनाडा में 2023 कैनेडियन इंटरनेशनल ऑटोशो के दौरान एक निसान अरिया सर्फ़वैगन कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक वाहन देखा गया।

कतर ने भारत के फ्रोजन समुद्री खाद्य उत्पादों से रोक हटाई

कोलकाता । समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) ने कहा कि कतर ने भारत से फ्रोजन समुद्री खाद्य पदार्थ के आयात पर पिछले साल लगाया गया प्रतिबंध आंशिक रूप से हटा लिया है। हालांकि ठंडे समुद्री खाद्य पदार्थों (चिल्ड सीफूड) के निर्यात पर प्रतिबंध जारी रहेगा, जो 2021-22 में 143 करोड़ रुपए मूल्य के पश्चिम एशियाई देश के कुल समुद्री खाद्य उत्पाद निर्यात का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। फ्रोजन समुद्री खाद्य पदार्थों को माइनस 20 डिग्री तापामान पर भंडारित किया जाता है जबकि ठंडे समुद्री खाद्य पदार्थों के भंडारण का तापमान 3-4 डिग्री सेल्सियस होता है। एमपीईडीए के अधिकारियों ने कहा कि यह प्रतिबंध, फीफा विश्व कप से ठीक पहले पिछले साल नवंबर में लगाया गया था। उस समय भारत से वहां गई कुछ निर्यात की खेपों में हैजा संक्रमण करने वाले बैक्टेरिया विब्रियो हैजा का कथित तौर पर पता लगा था। कतर के अधिकारियों ने भारत को सूचित किया था कि फुटबॉल आयोजन के लिए उनके देश में पर्याप्त परीक्षण प्रयोगशालाओं की कमी के कारण प्रतिबंध अस्थायी है। एमपीईडीए के अध्यक्ष डीवी स्वामी ने कहा` कि चीन द्वारा निलंबन में इसी तरह की छूट को देखते हुए यह सप्ताह भारत में समुद्री खाद्य निर्यातकों के लिए बहुत अच्छा साबित हो रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि स्थिति के पुनर्मूल्यांकन के बाद कतर द्वारा ठंडे समुद्री खाद्य पदार्थ पर लगे प्रतिबंधों को भी जल्द ही हटा दिया जाएगा।

खाड़ी देशों का निर्यात बढ़कर 15.3 अरब डॉलर

मुंबई । (एजेंसी)

भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को गैर पेट्रोलियम निर्यात 5 प्रतिशत बढ़कर 15.3 अरब डॉलर पहुंच गया है। वाणिज्य विभाग की ओर से इस अवधि के संकलित आंकड़ों के मुताबिक इसकी तुलना में शेष दुनिया को ऐसे निर्यात में 3.4 प्रतिशत की कमी आई है। पिछले साल पश्चिम एशियाई देश के साथ हुए व्यापार समझौते के बाद की यह प्रगति है। समग्र आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के असर को जानने के लिए जून-जनवरी अवधि के दौरान के आंकड़े संकलित किए गए हैं। यह समझौता 1 मई को लागू हुआ था। समझौते के बाद की प्रगति के आकलन के लिए सरकार ने मई महीने का आंकड़ा नहीं लिया है। इसके बारे में कहा गया है कि समझौता लागू होने के बाद का यह पहला महीना था, इसलिए यह अलग रखा गया है। इसके अलावा गैर तेल के व्यापार के आंकड़े को संकलित किया गया है, क्योंकि तेल सीईपीए में शामिल नहीं है। जून-जनवरी के दौरान गैर पेट्रोलियम का आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 16.8 अरब डॉलर हो गया है। भारत का यूएई से एक साल में कुल आयात 16 प्रतिशत बढ़कर 34.6 अरब डॉलर हो गया है। जून-जनवरी के दौरान भारत ने 285.9 अरब डॉलर के वस्तुओं का निर्यात किया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.1 प्रतिशत ज्यादा है। इस अवधि के दौरान संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात 11.4 प्रतिशत बढ़कर 20.4 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य विभाग उम्मीद कर रहा है कि यूएई को निर्यात वित्त वर्ष 23 में 31 अरब डॉलर पार कर जाएगा, जबकि वित्त वर्ष 22 में 28 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। इस वित्त वर्ष में रत्न एवं आभूषण, मशीनरी और ऑटोमोबाइल की मांग ज्यादा है।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, भारत का घटा

- पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 3.193 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । (एजेंसी)

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 8.319 अरब डॉलर घटकर 566.948 अरब डॉलर रह गया। यह एक अप्रैल, 2022 के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस बीच आर्थिक बदहाली से गुजर रहे पाकिस्तान के फॉरेक्स रिजर्व में बढ़ोतरी हुई है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक 10 फरवरी को खत्म हफ्ते में यह 27.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 3.193 अरब डॉलर पहुंच गया। उससे पिछले हफ्ते यह तीन अरब डॉलर से कम रह गया था। पाकिस्तान के पास कुल जितना फॉरेक्स रिजर्व है, उससे तीन गुना भारत ने एक हफ्ते में गंवा दिया। हालांकि अब भी भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पाकिस्तान से करीब 190 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान के पास जो फॉरेक्स रिजर्व है, वह एक महीने का आयात के लिए काफी नहीं है। दूसरी ओर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 10 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा कही जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स 7.108 अरब डॉलर घटकर 500.587 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में एक्सप्रेस की जाने वाली एफसीए में यूरो, पाउंड और येन जैसी नॉन-अमेरिकन करेंसीज में आई घटबढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि गोल्ड रिजर्व में दूसरे सप्ताह गिरावट जारी रही और इसका मूल्य 91.9 करोड़ डॉलर घटकर 42.862 अरब डॉलर रह गया।

आंकड़ों के अनुसार एसडीआर 19 करोड़ डॉलर घटकर 18.354 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान आईएमएफ में रखा देश का मुद्रा भंडार 10.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.145 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल फरवरी से लेकर सितंबर के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 100 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। लेकिन उसके बाद इसमें तेजी देखी जा रही थी। सितंबर अंत से छह जनवरी तक इसमें 28.9 अरब डॉलर की तेजी आई थी। छह सितंबर को यह 561.6 अरब डॉलर पहुंच गया था। 27 जनवरी को यह 576.8 अरब डॉलर पहुंच गया था। अमेरिका में ब्याज दरों के बढ़ने से डॉलर मजबूत हुआ है। इससे रुपए पर दबाव बढ़ता है।

अमेरिका में 2024 तक अन्य ईवी के लिए 7,500 चार्जिंग स्टेशन खोलेगी टेस्ला

सैन फ्रांसिस्को । (एजेंसी)

बाइडेन प्रशासन ने अपनी 7.5 अरब डॉलर की योजना के तहत 2030 तक अमेरिकी सड़कों पर 5,00,000 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर स्थापित करने की नई पहल का खुलासा किया है और साथ ही बताया है कि एलन मस्क के स्वामित्व वाली टेस्ला 2024 के अंत तक अपने 7,500 चार्जिंग स्टेशनों को गैर-टेस्ला वाहनों के लिए खोलने के लिए प्रतिबद्ध है। एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, टेस्ला, पहली बार अपने यूएस सुपरचार्जर और डेस्टिनेशन चार्जर नेटवर्क का एक हिस्सा गैर-टेस्ला ईवी के लिए खोलेगा, जिससे 2024 के अंत तक सभी ईवी के लिए कम से कम 7,500 चार्जर उपलब्ध होंगे। खुले चार्जर पूरे अमेरिका में वितरित किए जाएंगे। कंपनी ने ट्विटर पर भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका भर में चुनिंदा टेस्ला सुपरचार्जर जल्द ही सभी ईवी के लिए खुल जाएंगे। हमारे बढ़ते टेस्ला व्यापार और नए ईवी ग्राहकों का समर्थन करने के लिए हमारा यूएस नेटवर्क 2024 के अंत तक दोगुना से ज्यादा हो जाएगा। कम से कम 3,500 नए और मौजूदा 250 किलोवाट सुपरचार्जर को सभी ईवी तक पहुंच बढ़ाने के लिए राजमार्ग गलियारों के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण स्थानों में होटल और रेस्तरां जैसे स्थानों पर लेवल 2 डेस्टिनेशन चार्जिंग के साथ बनाया जाएगा। सभी ईवी चालक टेस्ला ऐप या वेबसाइट का उपयोग करके इन स्टेशनों तक पहुंच सकेंगे। इसके अलावा, फोर्ड, मर्सिडीज-बेंज, वोल्वो कार्स और स्टारबक्स जैसी अन्य कंपनियों ने भी पहल के हिस्से के रूप में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध किया है।

इंडिगो ने यूरोप में अपना विस्तार करने टर्किश एयरलाइन से किया करार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एयर इंडिया ने यूरोप में अपना विस्तार करने के लिए टर्किश एयरलाइन के साथ हाथ मिलाया है और करीब 500 विमानों का ऑर्डर दिया है। एयरलाइन रोजाना करीब 1,800 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। इनमें से 10 फीसदी इंटरनेशनल रूट्स पर हैं। अभी घरेलू मार्केट में इंडिगो की हिस्सेदारी 56.1 फीसदी है जबकि टाटा ग्रुप की तीन एयरलाइंस की कुल हिस्सेदारी 24.1 फीसदी है। 19.8 फीसदी हिस्सेदारी दूसरी एयरलाइंस के पास है। टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनियों में एयर इंडिया, विस्तारा और एयर एशिया इंडिया शामिल है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने बताया कि कंपनी अब इंटरनेशनल रूट्स पर जोर दे रही है। इंडिगो नैरोबी, जकार्ता और कुछ मध्य एशियाई डेस्टिनेशंस के लिए फ्लाइट्स शुरू करना चाहती है। भारतीय बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और एयर इंडिया के रेकॉर्ड ऑर्डर के बीच इंडिगो प्रमुख ने कहा कि भारतीय बाजार में आगे चलकर ग्रोथ की काफी संभावनाएं हैं और यहां कई एयरलाइन के लिए जगह है। उन्होंने कहा` कि भारत के एविएशन सेक्टर में बहुत कुछ हो रहा है। इनमें एयर इंडिया ग्रुप का कंसोलिडेशन शामिल है। कुल मिलाकर भारत का एविएशन सेक्टर अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। यह बाजार का एक स्वाभाविक विकास है। इंडिगो के बेड़े में 300 से अधिक विमान हैं और कंपनी इस समय 76 डोमेस्टिक और 26 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट ऑपरेट करती है।

एयरलाइन ने हाल में दो और घरेलू डेस्टिनेशंस नासिक और धर्मशाला के लिए भी उड़ानों की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि भारत का एविएशन मार्केट बहुत वाइब्रेंट है। इसमें बेहद मजबूती के साथ सुधार हो रहा है। इंडिगो ने जोरदार वापसी की है और भारत की आर्थिक वृद्धि इसे आगे बढ़ने में मदद कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी-20 लीग का भविष्य बाजार की मांग तय करेगा : एलार्डिस

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी ज्योफएलार्डिस को लगता है कि टी20 लीग के तेजी से हो रहे प्रसार से निश्चित रूप से नये दर्शक मिले हैं लेकिन लंबे समय में कितनी लीग बचेंगी, यह बाजार की मांग पर तय होगा। फ्रेंचाइजी टी20 लीग की बढ़ोतरी से विश्व क्रिकेट विभाजित हो गया है, क्योंकि इससे मिलने वाली अत्यधिक मोटी राशि शीर्ष प्रतिभाओं को क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप के प्रति आकर्षित कर रही हैं लेकिन इसका जवाबी तर्क है कि ये काफी अधिक हो जाएंगी। पिछले एक महीने में संयुक्त अरब अमीरात में आईएलटी20 (अंतरराष्ट्रीय लीजेंड्स टी20), दक्षिण अफ्रीका में एसए टी20, बांग्लादेश में बीपीएल हो रही हैं और अब पाकिस्तान में पीएसएल भी शुरू होगी। एलार्डिस ने कहा, देखिये मुझे लगता है कि टी20 लीग खेल में नया आयाम जोड़ रही हैं। खेल का संतुलन खेल के पारंपरिक प्रारूपों और टी20 लीग के बीच बदल रहा है। वह यहां 'ग्लोबल बिजनेस समिट 2023' में हिस्सा लेने के लिये आए हुए हैं। एलार्डिस ने कहा, कुछ लीग काफी सफल हैं, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) भारत में सफल आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) आयोजित करता है और कुछ अन्य देश भी कुछ सफल लीग करा रहे हैं।

लंबे समय तक कितनी लीग बचेंगी, यह बाजार तय करेगा : ICC मुख्य कार्यकारी

नई दिल्ली:

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी ज्योफएलार्डिस को लगता है कि टी20 लीग के तेजी से हो रहे प्रसार से निश्चित रूप से नए दर्शक मिले हैं, लेकिन लंबे समय में कितनी लीग बचेंगी, यह तो बाजार की मांग ही तय करेगी। फ्रेंचाइजी टी20 लीग की बढ़ोतरी से विश्व क्रिकेट विभाजित हो गया है, क्योंकि इनसे मिलने वाली अत्यधिक लुभावनी राशि शीर्ष प्रतिभाओं को क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप के प्रति आकर्षित कर रही हैं, लेकिन इसका जवाबी तर्क है कि ये काफी अधिक हो जाएंगी। पिछले एक महीने में संयुक्त अरब अमीरात में आईएलटी20 (अंतरराष्ट्रीय लीजेंड्स टी20), दक्षिण अफ्रीका में एसए टी20, बांग्लादेश में बीपीएल हो रही हैं और अब पाकिस्तान में पीएसएल भी शुरू होगी। एलार्डिस ने पीटीआई से कहा, ''देखिये मुझे लगता है कि टी20 लीग खेल में नया आयाम जोड़ रही हैं। खेल का संतुलन खेल के पारंपरिक प्रारूपों और टी20 लीग के बीच बदल रहा है।'' एलार्डिस ने कहा, ''कुछ लीग काफी सफल हैं, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) भारत में सफल आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) आयोजित करता है और कुछ अन्य देश भी कुछ सफल लीग करा रहे हैं। बाजार तय करेगा कि समय के साथ ये सभी सफल होंगी या नहीं। लेकिन ज्यादातर देशों में टी20 लीग ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को लुभाने में सफल हो रही हैं।''

मुश्किल समय में बेहतरीन पारी खेलकर अक्षर ने टीम को सम्मानजनक स्कोर पर पहुंचाया

अश्विन के साथ 177 गेंद में 114 रन की शानदार साझेदारी की

नई दिल्ली ।

अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शुरुआती दो सत्र में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर्स ने काफी कसी हुई गेंदबाजी की। किसी भी भारतीय बल्लेबाज को क्रीज पर टिकने नहीं दिया। एक के बाद एक लगातार विकेट गिरते रहे। हालत इतनी खराब थी कि इंडियन ड्रेसिंग रूम में मातम पसरा था। स्कोर 139 पर 7 हो चुका था। तब अक्षर पटेल ने रविचंद्रन अश्विन के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर खुलकर शॉट्स खेलने लगे। इसी अटैकिंग खेल के बूते छक्के के साथ अपने करियर का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक भी पूरा किया। नागपुर में 84 तब दिल्ली टेस्ट में 115 गेंदों में 74 रन बनाए।

भारत के लिए 75वां ओवर मैथ्यू कुहनेमैन लेकर आए। पांचवीं बॉल पर फुल डिलिवरी को अपने रडार पर लिया और विद द टर्न डीप मिडविकेट के ऊपर से छक्के के लिए उड़ा दिया। 94 गेंदों में आई अक्षर की फिफ्टी में 6 चौके और 2 छक्के दिखाई दिए। अश्विन के साथ 177 गेंद में 114 रन की शानदार साझेदारी तब आई जब भारत को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। अक्षर ने सिर्फ बड़े शॉट्स नहीं खेले बल्कि विथ द टर्न ऑन साइड में खेला। पेसर्स को ड्राइव मारा। शानदार कट शॉट्स निकाले। बैटिंग चाहे लोअर ऑर्डर में कर रहे हो, लेकिन जिस क्षमता से बल्ला चला रहे थे, वहां एकदम टॉप क्लास था। आठवें नंबर पर आकर इस तरह की बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए सोने पर सुहागा होती है, क्योंकि इस क्रम पर आने वाला बल्लेबाज तब विशुद्ध रूप से बोलर ही होता है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 8-1 से रौंदा

नई दिल्ली । भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका में अपने अभियान की शुरुआत मेजबान टीम पर 8-1 से शानदार जीत के साथ की। भारत ने मैच के पहले मिनट से ही दबदबा बनना शुरू कर टीम पूरे मुकाबले के दौरान हावी रही। भारतीय टीम के लिए दीपिका सीनियर ने दो जबकि उपकप्तान रुजाता दादासो पिसल, ऋतिका सिंह, सुनलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग और अन्नू ने एक-एक गोल दागे। दक्षिण अफ्रीका के लिए मिकेला ले रॉक्स ने सांत्वना गोल किया। भारतीय जूनियर महिला टीम शनिवार और सोमवार को दक्षिण अफ्रीका अंडर-21 टीम के खिलाफ दो और मैच खेलेगी, यह टीम इसके बाद 24 और 25 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका 'ए के खिलाफ दो मैच खेलेगी।

हाइटेक होगा गोरखपुर रीजनल स्टेडियम

गोरखपुर,

गोरखपुर समेत समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गोरखपुर रीजनल स्टेडियम का कायाकल्प होने जा रहा है। यह स्टेडियम लखनऊ के बाबू केडी सिंह स्टेडियम की तर्ज पर हाइटेक होगा। न सिर्फ बैठने, खेल मैदान का नए सिरे से विकास होगा। ऐसी व्यवस्था की जा रही है जिससे यहां रात में भी फुटबाल व हॉकी के मैच हो सकेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल रीजनल स्टेडियम के कायाकल्प की तैयारियों में जुट गए हैं। गुरुवार (16 फरवरी) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सांसद खेल महाकुंभ के समापन समारोह में रीजनल स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मंच से ही चारों तरफ निगाह दौड़ाकर स्टेडियम में बैठने के स्थान, ग्राउंड आदि का अवलोकन किया। मंच पर मौजूद एसीएस खेल को मौके पर ही स्टेडियम को हाइटेक करने की दिशा में जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस संबंध में एसीएस खेल नवनीत सहगल का कहना है कि मुख्यमंत्री जी की मंशा है के अनुरूप गोरखपुर रीजनल स्टेडियम में चारों ओर सिटिंग अरेंजमेंट लखनऊ के बाबू केडी सिंह स्टेडियम की तरह किया जाएगा। इसे शामिल करते हुए तमाम अन्य खेल सुविधाओं के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड ने करीब 50 करोड़ रुपये (जीएसटी व सेस समेत) का आगणन तैयार भी कर लिया है। मुख्यमंत्री की सहमति से इसमें कुछ फेरबदल भी किए जा सकते हैं। टेबल टेनिस हाल, 4 टॉयलेट ब्लॉक, 2 पैविलियन टॉयलेट, दो बॉक्सिंग रिंग, वीआईपी लाउंज, स्विमिंग पुल, वार्मअप पुल, रिसेप्शन व चेंजिंग एरिया, स्विमिंग पुल सिटिंग एरिया, जिम्नास्टिक हाल, वेट लिफ्टिंग हाल, एथलेटिक ट्रैक, 2420 सिटिंग चेयर की व्यवस्था।

फिलहाल रीजनल स्टेडियम को उच्चीकृत करने के लिए जो प्रारंभिक इस्टीमेट बनाया गया उसके मुताबिक काम हुआ तो स्टेडियम का कायाकल्प हो जाएगा। मुख्यमंत्री के सुझाव पर इसमें कुछ नए प्रावधान भी शामिल किए जा रहे हैं। मसलन रात में भी हॉकी-फुटबाल आदि के मैच आयोजित करने के लिए फ्लड लाइट भी लगवाई जाएगी। मैदान को और ग्रासी बनाया जाएगा। पैविलियन में बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था होगी।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेटर धोनी के बाइक काफिले में शामिल हुई टीवीएस रोनिन

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को बाइक्स और गाड़ियों से काफी लगाव है। इसकारण उनके गैराज में कार्स से लेकर बाइक्स भी मौजूद हैं। धोनी ने फिर से अपने इस क्लेकशन में नई बाइक को जोड़ा है। क्रिकेटर ने हाल ही में टीवीएस रोनिन की डिलीवरी ली है। जिसकी डिलीवरी के दौरान की तस्वीर सामने आई है। रोनिन टीवीएस में 225.9 सीसी, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया है, जो 7750 आरपीएम पर 20.4 बीएचपी और 3750 आरपीएम पर 19.93 एनएम का टार्क पैदा जेनरेट है। इंजन को स्लिपर-क्लच के साथ 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, साथ ही इसमें साइलेंट स्टार्ट और एक ऑयल कूलर के लिए एक एकीकृत स्टार्टर भी दिया गया है। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, टर्न-बॉय-टर्न नेविगेशन, वॉयस असिस्टेंस और कॉल/मैसेज अलर्ट आदि से लैस है। इसके अलावा इसमें दो राइडिंग मोड्स-अर्बन और रेन भी दिए गए हैं।

फिल्डिंग के दौरान मैदान में घुस आया एक फैन, सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान अरुण जेटली स्टेडियम में फैन की अजीबोगरीब हरकत ने सभी को चौंका दिया। भारतीय टीम जब फिल्डिंग कर रही थी उसी दौरान एक फैन मैदान में घुस गया। लेकिन फैन को खिलाड़ियों के पास जाने से पहले ही पकड़ा गया। ग्राउंड में मौजूद सुरक्षाकर्मी शख्स को मैदान से घसीटते हुए ले गए। बाउंड्री पर खड़े तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सुरक्षाकर्मियों से फैन को आराम से ले जाने के लिए कहा। हालांकि फैन की इस हरकत से किसी खिलाड़ियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन एक अहम सवाल जरूर खड़ा होता है। क्या मैदान में जबरन घुसने वाले शख्स के खिलाफ कानून कार्रवाई हो सकती है या नहीं? कानून के मुताबिक, अगर कोई फैन या संदिग्ध व्यक्ति कोई गलत इंटेशन से मैदान में घुसता है, तब पुलिस संदिग्ध को अरेस्ट कर सकती है। उसके खिलाफ अन्य अपराधियों की तरह ही मुकदमा चलाया जा सकता है। अगर किसी शख्स या फैन ने ग्राउंड में पहुंचकर प्लेयर को नुकसान पहुंचाया हो या नुकसान पहुंचाने का इरादा रखता है, तब उस पर स्थानीय कानून के तहत पुलिस सख्त एक्शन भी ले सकती है। इसके अलावा स्थानीय क्रिकेट बोर्ड उस शख्स को मैदान में घुसने पर पाबंदी लगा सकती है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे शहरों में जब भी क्रिकेट मैच होता है, उस दौरान स्थानीय पुलिस भी सक्रिय रहती है। इसके पीछे मुख्य कारण सट्टेबाजों पर शिकंजा कसना होता है। हाल ही में आईपीएल के दौरान दिल्ली पुलिस ने स्टेडियम से कुछ सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया था। सट्टेबाजी के अलावा खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी लोकल पुलिस को अलर्ट पर रखा जाता है।

100वें टेस्ट में जीवनदान मिलने के बावजूद शून्य पर आउट हुए पुजारा

इस शर्मनाक सूची में शामिल हुआ नाम

नई दिल्ली ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी टेस्ट चेतेश्वर पुजारा के करियर के लिए बेहद खास है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में पुजारा से एक बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह एक जीवनदान के बावजूद खाता खोलने में असफल रहे। उन्हें ऑस्ट्रेलियाई धाकड़ स्पिनर नाथन लायन ने पगबधा किया। उन्होंने 7 गेंदों का सामना किया। इस तरह से पहली पारी में वह थोड़ा बदकिस्मत रहे। अब देखना होगा कि दूसरी पारी में उनका प्रदर्शन किस तरह का होता है। लायन ने 18वें ओवर की पहली गेंद पर केएल राहुल को 17 रनों के निजी स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मैदान पर उतरे पुजारा का फैंस ने जोरशोर से स्वागत किया। हालांकि, वह दूसरी गेंद पर ही बाल-बाल बचे। लायन की गेंद पर वह गच्चा खा गए और गेंद पैड पर लगी। यहां ऑस्ट्रेलिया ने रीव्यू नहीं लिया और पुजारा को जीवनदान मिल गया। दरअसल, टीवी रिप्ले में देखने पर गेंद लेग स्टंप पर लगती दिख रही थी।

100वें टेस्ट में शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज:

दिलीप वेंगसरकर बनाम न्यूजीलैंड (1988), एलन बॉर्डर बनाम वेस्टइंडीज(1988), कर्टनी वाल्स बनाम इंग्लैंड (1998), मार्क टेलर बनाम इंग्लैड(1998), स्टीफन फ्लेमिंग बनाम साऊथ अफ्रीका (2006), एलिस्टर कुक बनाम ऑस्ट्रेलिया (2013), ब्रेंडन मैकुलम बनाम ऑस्ट्रेलिया (2016), चेतेश्वर पुजारा बनाम ऑस्ट्रेलिया (2023)। ऑस्ट्रेलिया यह गलती हालांकि 19वें ओवर में सुधार ली।

लायन ने ओवर की दूसरी गेंद पर पहले रोहित शर्मा को क्लीन बोल्ड किया और उसके बाद चौथी गेंद पर पुजारा के खिलाफ सफल डीआरएस लिया। कप्तान रोहित 69 गेंदों में 2 चौके की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पुजारा खाता नहीं खोल सके। इस तरह वह 100वें टेस्ट में डक आउट होने का एक अनचाहा रिकॉर्ड बना गए।

सपना गिल ने कोर्ट में कहा पृथ्वी शॉ कौन हैं, मैं नहीं जानती थी

मुंबई । भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के साथ सेल्फी लेने को लेकर कथित रूप से दुर्व्यवहार करने को लेकर गिरफ्तार की गई 'सोशल मीडिया इंफ्लूएंशर' सपना गिल को शुक्रवार को यहां के अंधेरी कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 20 फरवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सपना ने अदालत में दावा किया है कि दरअसल यह शॉ ही थे जिन्होंने उनपर प्रहार किया। उसने कहा शॉ ने उससे माफी मांगी और पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कराने की गुजारिश की। सपना गिल के वकील की तरफ से मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए दलील दी गई कि पृथ्वी शॉ को शराब की आदत है और इसी वजह से उन्हें बीसीसीआई ने बैन कर दिया है। वकील ने बहस के दौरान कहा सपना ने 50,000 रुपए देने और मामला खत्म करने जैसा कुछ नहीं कहा। इसका कोई सबूत नहीं है। सपना एक रसूखदार शख्स हैं। घटना के 15 घंटे के बाद पृथ्वी शॉ ने अपने दोस्त के माध्यम से पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। घटना के दिन ही ऐसा क्यों नहीं किया गया? बुधवार को उपनगरीय क्षेत्र शांताक्रुज के एक शानदार होटल के बाहर जब शॉ ने गिल के साथ शेल्फी लेने से इनकार कर दिया, तब दोनों पक्षों के बीच यह घटना घटी थी। हिरासत पर सुनवाई के दौरान गिल ने अनुरोध किया कि उसे इस घटना के संबंध में अपना पक्ष रखने दिया जाए, जिसे मजिस्ट्रेट ने मान लिया। गिल ने कहा उसके विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। उसने कहा शॉ ने मुझे छाती और बांह पर मारा। उसने कहा हम वहां बस पुलिस की मदद के लिए थे। वे आठ से दस लोग थे और हम बस दो लोग थे। गिल ने दावा किया कि शॉ और उनके दोस्तों ने उससे पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कराने की गुजारिश की और 'सॉरी' भी कहा। इस दावे के बारे में कि जब उसने शॉ के साथ सेल्फी का अनुरोध किया तब यह घटना घटी, गिल ने कहा मैं उन्हें नहीं जानती, न मैंने उन्हें कभी देखा है। मैंने उनसे कभी सेल्फी खिंचाने के लिए नहीं कहा। उसने इस आरोप से भी इनकार कर दिया कि उसने मामला रफा-दफा करने के लिए 50000 रुपए मांगे। गिल ने दावा किया है कि वह पूरी तरह नशे में थे। वह थाने के सामने थे। वह तभी प्राथमिकी दर्ज करा सकते थे, लेकिन वह नशे में थे इसलिए उन्होंने बाद में ऐसा करने की सोची। गिल के अनुसार शॉ के पहुंचने से पहले वह और उनके दोस्त होटल के 'वीआईपी लॉउंज' में पार्टी कर रहे थे। शॉ अपने एक व्यापारी मित्र के साथ होटल में खाना खाने गए थे, तब यह घटना घटी थी।

धोनी की जगह सीएसके की कप्तानी कर सकते हैं मोईन अली

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के शेड्यूल की घोषणा के साथ, क्रिकेट प्रशंसकों ने मेगा इवेंट से संबंधित मुद्दों पर चर्चा शुरू कर दी है। चर्चा के बिंदुओं में से एक यह है कि महिंद्रा सिंह धोनी के जाने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कौन संभालेगा। भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर पार्थिव पटेल का कहना है कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली सीएसके के लिए कप्तानी विकल्प हो सकते हैं। पार्थिव ने कहा, एक नाम है जिसे मैं बताना चाहूंगा, वह है मोईन अली। हमें यह देखना होगा कि क्या ऋतुराज गायकवाड़ कप्तानी के लिए तैयार हैं। और यदि आप बात कर रहे हैं बेन स्टोक्स और उनकी कप्तानी के बारे में, जैसा कि आप जानते हैं, आईपीएल के तुरंत बाद एशेज शुरू होने जा रहा है और इंग्लैंड बोर्ड उन्हें कितना खेलने की अनुमति देगा, यह देखने वाली बात है। पटेल ने कहा कि मोईन के पक्ष में एक सकारात्मक बात यह है कि वह पूरे आईपीएल 2023 के लिए उपलब्ध रहने वाले हैं, क्योंकि वह टेस्ट नहीं खेलते हैं। इ सलिए उन्हें एशेज सीरीज के लिए नहीं जाना होगा। पटेल ने कहा, हालांकि, अली उस प्रकार का खिलाड़ी है जो टेस्ट मैच नहीं खेलते हैं और जोस बटलर के चोटिल होने या अनुपलब्ध होने पर इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं। इसलिए, वह एक अल्पकालिक विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि सीएसके और मुंबई हमेशा लंबे विकल्पों के बारे में सोचते हैं।

महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तान बनी स्मृति मंधाना

विराट कोहली ने वीडियो संदेश में बताया

बेंगलुरु ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरुआती सत्र लिए भारत की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को अपना कप्तान नियुक्त किया है। इस सलामी बल्लेबाज को फ्रेंचाइजी ने हाल ही में मुंबई में हुई नीलामी में 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा था। यह डब्ल्यूपीएल नीलामी में किसी खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक कीमत है। फ्रेंचाइजी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा कर यह घोषणा की। इस वीडियो में आरसीबी के करिश्माई खिलाड़ी विराट कोहली और पुरुष टीम के मौजूदा कप्तान फाफ डु प्लेसिस के संदेश है। इसमें कोहली ने कहा, ''अब एक और 'नंबर 18 (जर्सी का अंक) डब्ल्यूपीएल में एक बहुत ही खास आरसीबी टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। हां, हम स्मृति मंधाना के बारे में बात कर रहे हैं। स्मृति अपना सर्वश्रेष्ठ करो। आपके पास दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम और सर्वश्रेष्ठ प्रशंसकों का समर्थन होगा। स्मृति को कप्तान बनाने की घोषणा पर आरसीबी के अध्यक्ष प्रथमेश मिश्रा ने कहा, स्मृति खेल को लेकर हमारी साहसिक सोच और क्रिकेट योजनाओं के केंद्र में हैं। इसकारण हमनें उन्हें नेतृत्व की भूमिका सौंपी है। हमें विश्वास है कि स्मृति आरसीबी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। आरसीबी महिला टीम की कप्तान बनने पर स्मृति ने कहा, ''विराट और फाफ को आरसीबी का नेतृत्व करने के बारे में इतनी बातें करते हुए देखना बहुत अच्छा लग रहा है। यह अद्भुत अवसर देने के लिए मैं आरसीबी प्रबंधन को धन्यवाद देना चाहूंगी। मैं आप प्रशंसकों से सभी प्यार और समर्थन प्राप्त करने के लिए उत्सुक हूं। स्मृति के नाम 113 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2661 रन है। इस दौरान उनका औसत 27.15 और स्ट्राइक रेट 123.19 का रहा है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में टी20 लीग खेल चुकी स्मृति ने 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है। उनके नेतृत्व में डब्ल्यूपीएल से पहले हुए महिला टी20 चैलेंज में ट्रेलब्लेजर टीम 2020 चैंपियन बनी थी।

डेविड वार्नर बेहतरीन खिलाड़ी, उनके फॉर्म पर सवाल उठाने के लिए तीन पारियां काफी नहीं: ख्वाजा

नई दिल्ली । आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का मानना है कि डेविड वॉर्नर के फॉर्म पर सवाल उठाने के लिए तीन पारियां काफी नहीं है। दूसरे टेस्ट के पहले दिन मोहम्मद सिराज का बाउंसर सिर पर लगने के बाद कुछ समय के लिए परेशान दिखना डेविड वार्नर को खारिज करने का आधार नहीं हो सकता। वॉर्नर ने अभी तक श्रृंखला में 1, 10 और 15 रन का स्कोर बनाया है। मोहम्मद शमी ने उन्हें दो बार फुल लेंथ गेंद पर आउट किया है। इसके बाद वॉर्नर की तकनीक पर सवाल उठने लगे हैं। 81 रन की पारी खेलने वाले ख्वाजा ने अपने सलामी जोड़ीदार का बचाव किया। डेविड वॉर्नर ने 44 गेंद का सामना किया, लेकिन वह इतने सहज नहीं दिख रहे थे। ख्वाजा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा आप जो कह रहे हो, मैं उससे सहमत नहीं हूं। उन्होंने पिछले मैच में अश्विन पर दो चौके लगाए थे, लेकिन फिर वह पगबाधा आउट हो गए इसलिए वह आक्रामकता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा क्रीज पर जाकर खेलना और वो भी शुरूआत करना आसान नहीं है। जब आप शुरूआत कर रहे हो तो यह कभी भी आसान नहीं होता इसलिए आज मैं भाग्यशाली रहा कि मैंने दो बाउंड्री लगाई और लय में आ गया। ख्वाजा ने कहा कभी कभार आप ऐसा नहीं कर पाते और यह बहुत मुश्किल हो जाता है। इसलिए तीन पारियां मेरे लिये काफी नहीं हैं। इस टेस्ट श्रृंखला में अभी काफी दूर तक जाना है। ख्वाजा को वॉर्नर की वापसी करने की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा डेवी इतने लंबे समय से इतना शानदार खिलाड़ी रहा है। हर बार वह ऐसा करता है। उनकी बांह में लगकर गेंद सिर पर लगी और सिर पर लगने से वह थोड़े परेशान हो गये जिससे वह मैदान पर नहीं आए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५0 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २0 किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

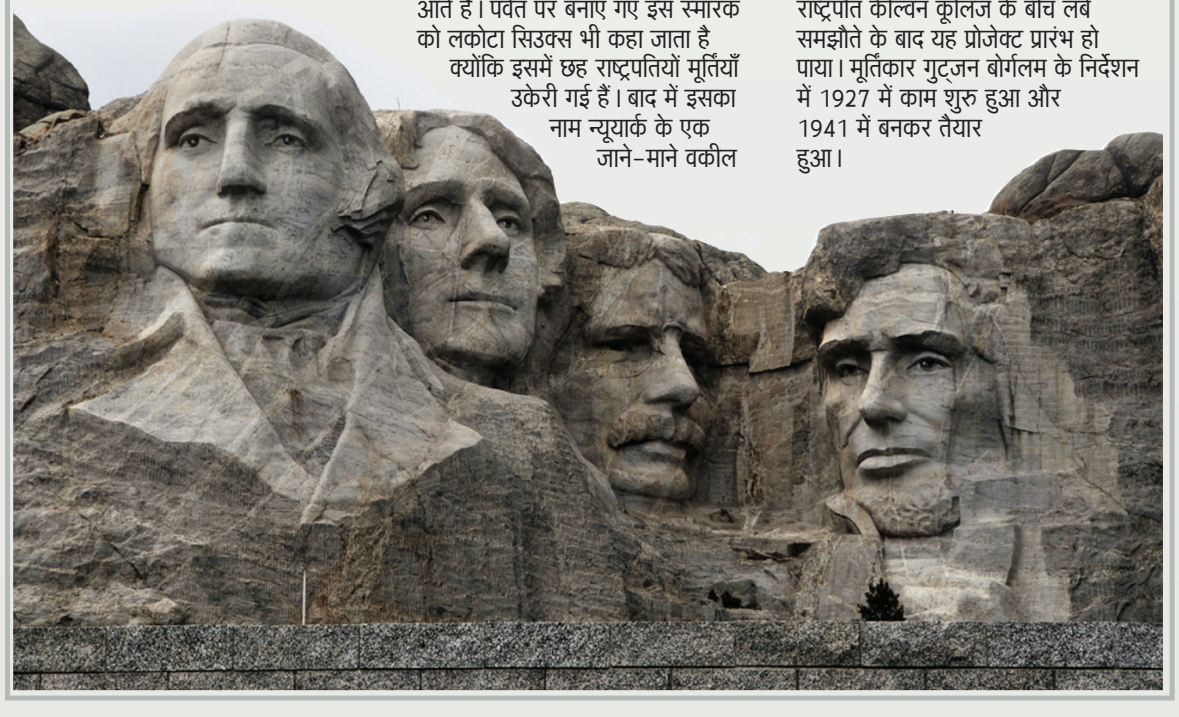

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं : सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट १९ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ताइवान में भी मिला गुब्बारा : ताइवानी रक्षा मंत्रालय

ताइपे । दुनिया के कई देशों में चीन द्वारा संदिग्ध जासूसी गुब्बारे भेजे जाने के अमेरिका के आरोपों के बीच ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एक चीनी गुब्बारा उसके एक द्वीप पर मिला है। मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि गुब्बारे में चीन के ताइयुआन शहर में एक सरकारी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी का पंजीकृत उपकरण है। उसने बताया कि यह गुब्बारा मत्सु द्वीप के तुंगीयन में चीन के फुजियान प्रांत के तट के पास मिला। गृहयुद्ध के बीच 1949 में चीन से अलग होने के बाद ताइवान ने द्वीपों पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और यदि चीन ताइवान को अपने अधीन लाने के लिए हमला करता है, तो ऐसा माना जाता है कि ये द्वीप पहली रक्षा पंक्ति का काम करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि रिपोर्ट में जिस 'ताइयुआन वायरसेल (रेडियो) फर्स्ट फैक्ट्री लिमिटेड' की पहचान की गई है, उसके एक प्रवक्ता लियू ने फोन पर बताया कि कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मुहैया कराए थे, लेकिन उसने गुब्बारा नहीं बनाया। मीडिया को प्रवक्ता ने केवल अपना उपनाम बताया। लियू ने कहा कि ताइयुआन चीन के मौसम विज्ञान प्रशासन को उपकरण मुहैया कराने वाली कंपनियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह गुब्बारा संभवतः मौसम की निगरानी के लिए रोजाना छोड़े जाने वाले गुब्बारों का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इसे शियामेन से छोड़ा गया होगा और इसका मार्ग निर्धारित नहीं किया गया होगा। लियू ने कहा कि 30 हजार मीटर की अधिकतम ऊंचाई तक पहुंचने के कारण इसकी हवा संभवतः प्राकृतिक रूप से निकली। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के गुब्बारे ताइवान जलडमरूमध्य में नियमित रूप से उड़ाए जाते हैं, लेकिन इन्होंने हाल में ध्यान आकर्षित किया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उपकरण पर जानकारी चीनी मुख्य भूमि में इस्तेमाल किए जाने वाले सरलीकृत चीनी अक्षरों में लिखी है। चीन ताइवान के हवाई क्षेत्र और ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा के पार अकसर सैन्य विमान और युद्धपोत भेजता है। इसके कारण ताइवान ने अमेरिका से सैन्य खरीद बढ़ा दी है व स्थानीय विमानों, पनडुब्बियों एवं लड़ाकू पोतों का घरेलू उत्पादन बढ़ा दिया है। साथ ही सभी पुरुषों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य कर दी है।

सिख विधवा ने पति की संपत्ति में अपने हिस्से की कानूनी लड़ाई जीती

लंदन । ब्रिटेन में रहने वाली 83 वर्षीय सिख विधवा महिला ने दिवंगत पति के 12 लाख मूल्य पाउंड के एस्टेट (भूसंपत्ति) में 50 प्रतिशत की तर्कसंगत हिस्सेदारी पाने का मुकदमा लंदन उच्च न्यायालय में जीत लिया है। महिला के पति की करीब एक साल पहले मौत हो गई थी और उसने वसीयत में पूरी संपत्ति अपने दो बेटों के नाम कर दी थी। न्यायमूर्ति रॉबर्ट पील ने पिछले सप्ताह दिए फैसले में कहा कि वह इस बात से संतुष्ट हैं कि करनैल सिंह ने 66 साल तक जीवन संगिनी रही हरबंस कौर के लिए तर्कसंगत प्रावधान नहीं किया जबकि उन्होंने विवाह और परिवार के कपड़ा व्यवसाय में पूरी तरह से और समान योगदान दिया। अदालत के दस्तावेजों के मुताबिक पिता की वसीयत के एक लाभार्थी बेटे ने अपनी मां के दावे का विरोध नहीं किया जबकि दूसरे बेटे ने कानूनी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया। न्यायमूर्ति पील ने कहा ?कि मैं संतुष्ट हूं कि मृतक की एस्टेट द्वारा दावेदार हरबंस कौर के लिए तर्कसंगत प्रावधान नहीं किया गया। उन्हें एस्टेट के कुल मूल्य का 50 प्रतिशत मिलना चाहिए और एस्टेट को बंटवारा वसीयत में व्यक्त की गई इच्छा से अलग होना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि दावेदार को तत्काल 20 हजार पाउंड का भुगतान एस्टेट की आय से किया जाए और महिला द्वारा मुकदमे पर किए गए खर्च का भुगतान भी किया जाए। एस्टेट के मालिक करनैल सिंह की अगस्त 2021 में मौत हो गई थी। उन्होंने जून 2005 में एक वसीयत की थी जिसमें यह संपत्ति उनके दोनों पुत्रों को दी गई थी। सिंह ने वसीयत में अपनी पत्नी और चार पुत्रियों को सिर्फ इसलिए शामिल नहीं किया ताकि संपत्ति पुरुष सदस्यों के पास बनी रहे।

बेटी के साथ फुटबॉल मैच देखने पहुंचे किम जोंग उन

सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अपने दिवंगत पिता किम जोंग-इल की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित फुटबॉल मैच में अपनी बेटी के साथ भाग लिया। उत्तर कोरिया की एक आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार किम और उनकी बेटी, जिसे जू-ए के नाम से जाना जाता है, शुक्रवार को कैबिनेट के सहयोगियों और राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के बीच मैच देखा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह किम की बेटी की छठी सार्वजनिक उपस्थिति और गैर-सैन्य कार्यक्रम में पहली उपस्थिति थी। राज्य मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में किम और उनकी बेटी प्रीमियर किम टोक-हुन और सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति के संगठनात्मक मामलों के सचिव जो योंग-वोन सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ एक स्टैंड में मैच देखा। किम को अपनी बेटी के पास सिगरेट पीते हुए भी देखा गया। बेटी की उम्र करीब 10 साल बताई जा रही है। नेता की बहन किम यो-जोंग ने भी मैच में शिरकत की, हालांकि उन्हें एक कोने में नेता के पीछे पीछे की पंक्ति में बैठे हुए दिखाया गया है। पर्यवेक्षकों ने कहा कि इस घटना का उद्देश्य किम वंश के पेक्टू ब्लडलाइन की वैधता को प्रदर्शित करना है। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कोरियन स्टडीज के अध्यक्ष यांग मू-जिन ने छुट्टी का जिक्र करते हुए कहा ?कि शाइनिंग स्टार दिवस पर फुटबॉल मैच देखने वाले पेक्टू ब्लडलाइन सदस्य अपनी वैधता और निकटता दिखाने का इरादा रखते हैं।

अमेरिका के मिसीसिपी सिटी में गोली मारकर 6 की हत्या

– हत्या के कारणों का पता नहीं चला

वाशिंगटन । अमेरिका में मिसिसिपी के टेट काउंटी स्थित अर्काबुतला नगर में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने अपनी पूर्व पत्नी एवं सौतेले पिता समेत विभिन्न स्थानों पर 6 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। मीडिया के अनुसार शेरिफ ने कहा कि हत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है। टेट काउंटी के शेरिफ ब्रैड लांस ने कहा कि हथियारों से लैस 52 वर्षीय रिचर्ड डेल क्रुम ने टेनेसी के पास अर्काबुतला में पूर्वाह्न करीब 11 बजे गोलीबारी की और एक दुकान के बाहर खड़े पिकअप ट्रक के चालक सीट पर बैठे व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी। मीडिया को अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधिकारी घटनास्थल पहुंचे, तभी उन्हें कुछ दूरी पर एक और गोलीबारी की सूचना मिली। अधिकारियों के अनुसार उक्त मकान पर पहुंचने पर एक महिला मृत मिली। शेरिफ ने महिला की पहचान क्रुम की पूर्व पत्नी के तौर पर की है। गोली लगने से महिला की मौत हो गई, जबकि उसका वर्तमान पति घायल है। लांस ने कहा कि अधिकारियों ने क्रुम को उसके घर के बाहर से पकड़ लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर के पीछे अधिकारियों को दो लोग मृत मिले। एक व्यक्ति का शव सड़क पर और दूसरे का शव एसयूवी में था। पास के एक घर में उन्हें क्रुम के सौतेले पिता और सौतेली बहन का शव भी मिला। लांस ने कहा कि इस तरह की घटना पहले कभी नहीं देखी थी। उन्होंने कहा कि अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। उसने इस घटना को क्यों अंजाम दिया, हम इसका पता लगा रहे हैं। गवर्नर टेट रीव्स के कार्यालय ने कहा कि उन्हें गोलीबारी की घटना के बारे में जानकारी मिली है। रीव्स ने एक बयान में कहा कि हम मानते हैं कि आरोपी व्यक्ति ने अपराध को अकेले ही अंजाम दिया। उसका मकसद अभी ज्ञात नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र की अध्यक्ष चुनी गईं रुचिरा कंबोज

वाशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज को संयुक्त राष्ट्र के सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष चुना गया है। कंबोज को इस सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र की पहली बैठक में अध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ ही नॉर्थ मैसेडोनिया से जॉन इवानोवस्की, डोमिनिक गणराज्य से कार्ला मारिया कार्लसन और लक्समबर्ग से थॉमस लैमर को 62वें सत्र का उपाध्यक्ष चुना गया।

हेग में 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस को लेकर एक सम्मेलन में शामिल हुए।

अमेरिकी वित्त मंत्री जी-20 बैठक के लिए अगले सप्ताह भारत के दौरे पर

वाशिंगटन । अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन अगले सप्ताह जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत जाएगी। इस दौरान यूक्रेन में युद्ध और मजबूत, अधिक लचीली और वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से जुड़े मसलों पर चर्चा होगी। वित्त विभाग ने इसकी जानकारी देकर कहा कि येलेन भारत यात्रा के दौरान 23 फरवरी को दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को भी

संबोधित करेंगी। वह जी-20 की बैठक में 'यूक्रेन में रूस की अवैध घुसपैठ' सहित अन्य चुनौतियों को देखते हुए अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लचीलेपन पर चर्चा करेंगी और वित्त विभाग की प्रमुख प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालेंगी। अगले दिन वह 'अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचा, टिकाऊ वित्त एवं अवसंरचना के अलावा 'वित्तीय क्षेत्र एवं वित्तीय समावेशन' पर जी-20 वित्त मंत्रियों की बैठक के दोनों सत्रों में भी हिस्सा लेंगी। विभाग ने कहा, येलेन यूक्रेन में अवैध घुसपैठ के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराने के लिए सहयोगियों से एकजुट होंगी और युद्ध के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न देशों से साझेदारी करेंगी।

एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों पर की चर्चा

मेलबर्न (एजेंसी)। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से शनिवार को मुलाकात की और द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी, आर्थिक सहयोग, सामाजिक सहचर्य बढ़ाने और क्रिकेट समेत कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर फिजी से सीधे आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष को दिया।

एस जयशंकर ने ट्वीट किया ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मिलकर प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत शुभकामना संदेश उन्हें दिया। चर्चा के दौरान हमारी रणनीतिक साझेदारी की भावना प्रतिबिंबित हुई। उस संबंध में हाल के घटनाक्रमों से प्रधानमंत्री अल्बनीज को अवगत कराया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज ने ट्वीट किया कि अगले माह अपनी भारत यात्रा से पहले डॉ एस जयशंकर से मिलना अच्छा रहा।

हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी, आर्थिक सहयोग और लोगों के बीच संबंधों पर चर्चा की, जो दोनों देशों को समृद्ध करते हैं। इससे पहले जयशंकर ने 'सिडनी बिजनेस ब्रेकफास्ट' कार्यक्रम में बात की,

जहां उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज के वैश्विक परिदृश्य में समान विचारधारा वाले देशों को अर्थव्यवस्था को जोखिम से मुक्त करने के लिए एकसाथ काम करने और डिजिटल दुनिया की चुनौतियों का सामना करने एवं अर्थव्यवस्था के लिए स्थिरता प्रदान करने वाले संबंध बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत व ऑस्ट्रेलिया के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी बन रही है और सभी हितधारकों के योगदान का स्वागत है।

पाकिस्तान आतंकवाद को जड़ से कर देगा खत्म : पाक पीएम शरीफ

–आतंकवाद को पनाह देने वाला पाक खुद फंसा आतंकियों की जाल में

इस्लामाबाद (एजेंसी) सर्वविदित है कि आतंकवाद को पनाह देने वाला देश पाकिस्तान है। अब पाकिस्तान में ही आतंकी हमले शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान में लगातार हो रहे आतंकी हमलों के बाद देश के हुक्मरान इस पर आंसू बहा रहे हैं। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कराची पुलिस मुख्यालय में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को जड़ से खत्म कर देगा। शहबाद शरीफ ने कराची में हुए आतंकी हमलों के बाद ट्वीट किया है। शरीफ ने कहा कि मैं कराची में पुलिस पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं और हमले को विफल करने वाले बहादुर पुलिस और कानून कर्मियों को सलाम करता हूं। शरीफ ने आगे कहा कि आतंकवादी शायद यह भूल गए हैं कि पाकिस्तान ही वह राष्ट्र है, जिसने अपनी वीरता और साहस से आतंकवाद को परास्त किया है। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान न केवल आतंकवाद का सफाया करेगा, बल्कि आतंकवादियों को न्याय के कठघरे में लाकर उन्हें खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में इस देश ने अपने ही खून से आतंकवाद का मुकाबला किया। इस महान देश ने इस परीक्षा की घड़ी में भी इस बुराई को हमेशा के लिए खत्म करने का संकल्प लिया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को कराची मुख्यालय पर आतंकियों ने अचानक हमला कर दिया। जबरदस्त गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में पांच आतंकियों को ढेर कर दिया। हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है।

72 घंटों में तेल की कीमतें कम करे शहबाज सरकार, नहीं तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम : साद हुसैन रिजवी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। पाकिस्तान ने आईएमएफ की शर्तों को मानने के लिए पेट्रोल की कीमतों में हाल ही में बढ़ोतरी की है, लेकिन इस मुद्दे पर शहबाज शरीफ अपने ही घर में घिर गए हैं। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पार्टी प्रमुख साद हुसैन रिजवी ने शहबाज शरीफ सरकार को चेतावनी दी है कि 72 घंटे में यदि तेल की कीमतें बढ़ाने का फैसला नहीं तो उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को पेट्रोल की कीमतों में 22.20 रुपए और डीजल में 17.20 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। मौलाना साद वही हैं, जिन्होंने कुछ दिनों पहले कहा था कि पाकिस्तान को दुनिया में एक हाथ में परमाणु बम लेकर कर्ज मांगना चाहिए। ताजा बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपने रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं है। शुक्रवार को लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीएलपी प्रमुख साद हुसैन रिजवी ने कहा कि अगर सरकार कीमतों को वापस नहीं लेती तो टीएलपी वह करेगी, जिसके लिए वह जानी जाती है।

मौलाना साद विरोध प्रदर्शन का संदर्भ दे रहे थे, जो पहले भी टीएलपी की ओर से पाकिस्तान में किया गया था। रिजवी ने कहा मैं सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम देता हूं कि पेट्रोल की बढ़ी कीमतों को वापस लो। मौलाना साद ने कहा कि पाकिस्तान 75 साल में 23वीं बार आईएमएफ के सामने लोन की भीख मांग रहा है। उन्होंने कहा पाकिस्तान का कर्ज एक साल में ही 23 फीसदी बढ़ गया है। मौलाना साद ने यह भी दावा किया कि आईएमएफ पाकिस्तान के परमाणु अड्डों का भी दौरा करने वाली हैं। उन्होंने कहा पाकिस्तान के गरीब लोगों को इस हद तक निचोड़ लिया गया है कि वह विरोध के बारे में सोच भी नहीं सकता। साद रिजवी ने कहा सरकार को अपने मंत्रियों और सलाहकारों की सेना को कम खर्च करने की सलाह देनी चाहिए।

साद रिजवी ने मांग की है कि राजनेताओं और सरकारी अधिकारी को दिया जाना वाला पेट्रोल तुरंत बंद किया जाना चाहिए, क्योंकि हर रोज वे लाखों लीटर तेल इस्तेमाल में ले रहे हैं। मौलाना साद ने कहा ये अपनी अय्याशियां कम करने के बजाय बोझ कौम पर डाल रहे हैं। पेट्रोल की कीमत इन्होंने फिर बढ़ाई है। हम आपको 72 घंटे का अल्टीमेटम दे रहे हैं। अगर पेट्रोल की बढ़ी कीमत वापस नहीं हुई तो हम वह करने को मजबूर हो जाएंगे, जिसके लिए टीएलपी को जाना जाता है। मौलाना साद का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उनकी आलोचना हो रही थी कि वह शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ नहीं बोल रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने दागी सबसे ताकतवर मिसाइल, चिंतित हुए जापान और दक्षिण कोरिया

प्योंगयांग ।(एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने फिर बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की यह मिसाइल जापान के नजदीक समुद्र में गिरी है। दक्षिण कोरिया ने इस मिसाइल परीक्षण की पुष्टि कर कहा कि उत्तर कोरिया ने कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल समुद्र में दागी है। ज्वॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि वह तत्काल नहीं बता सकते हैं कि किस तरह की मिसाइल दागी गई है और वह कितनी दूर गिरी है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक दिन पहले ही अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान को धमकी दी थी। इसमें चेतावनी देकर कहा था कि वह दक्षिण कोरिया और अमेरिका की मिलिट्री ड्रिल के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई कर सकता है।

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बाद जापानी अधिकारियों ने कहा कि यह लॉन्च होने के एक घंटे से अधिक समय बाद जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के अंदर समुद्र में गिर गया। जापान ने दावा किया है कि यह हथियार उत्तर कोरिया की सबसे बड़ी मिसाइलों में से एक था। यह 1 जनवरी के बाद उत्तर कोरिया का पहला मिसाइल परीक्षण था।

परमाणु हथियारों से लैस उत्तर कोरिया ने पिछले साल अभूतपूर्व संख्या में मिसाइलें दागीं थीं। इसमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया का दावा है कि उसकी मिसाइलें अमेरिका में कहीं भी हमला करने में सक्षम हैं। वहीं, आशंका है कि उत्तर कोरिया इन दिनों परमाणु परीक्षण की तैयारी में जुटा हुआ है। उत्तर कोरिया ने हाल में ही अपनी सेना की स्थापना के वर्षगांठ के अवसर पर मिसाइलों का सबसे बड़ा जखीरा प्रदर्शित किया था। इसमें परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें और क्रूज मिसाइलें भी शामिल थीं।

भूकंप से तुर्की-सीरिया में 41 हजार पहुंचा मौतों का आंकड़ा

–यूएन ने की मदद की अपील, जारी है भारत का ऑपरेशन दोस्त

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में तबाही मचाने वाले भूकंप से मरने वालों की संख्या थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को यह आंकड़ा 41 हजार से अधिक हो गई है। अकेले तुर्की में 38 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं। सीरिया में 3 हजार 688 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। भीषण भूकंप के बाद दुनिया भर के देश तुर्की की मदद के लिए आगे आए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने शुक्रवार को मानवीय संकट को दूर करने के लिए 100 करोड़ डॉलर की मदद की अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को तुर्की में मानवीय सहायता के लिए फंड की मांग की और कहा कि जरूरतें बहुत अधिक हैं, लोग पीड़ित हैं और हमारे पास समय कम है। उन्होंने कहा कि यह

योगदान तीन महीने के लिए 55 लाख लोगों को मानवीय राहत प्रदान करेगा। मैं अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हमारे समय की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक के जवाब में इस महत्वपूर्ण प्रयास को पूरा करने और पूरी तरह से धन देने का आग्रह करता हूं।

एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि तुर्की को इस मानवीय संकट से लड़ने के लिए दुनिया भर के देश सहायता कर रहे हैं। भारत भी इन देशों में शामिल है। भारत इस समय तुर्की में ऑपरेशन 'दोस्त' चला रहा है। भूकंप से प्रभावित तुर्की और सीरिया में भारतीय सेना और एनडीआरएफ की टीमों ने मोर्चा संभाल रखा है। भारत ने 10 फरवरी को तुर्की और सीरिया दोनों के लिए बड़ी मात्रा में राहत सामग्री भेजी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत ने भूकंप प्रभावित सीरिया और तुर्की को अब तक 7 करोड़ रुपए की दवाइयां और महत्वपूर्ण देखभाल चिकित्सा उपकरण भेजे हैं। अब तक तुर्की की मदद के लिए भारत राहत समाग्री की 7 खेप भेज चुका है। इन दवाइयों और उपकरणों में पेरासिटामोल, डेक्सामेथासोन, 10 वेंटिलेटर, एनेस्थीसिया मशीन, 20-व्हील चेयर, 50 ईसीजी मशीन, 100 ग्लूकोमीटर, थर्मामीटर, नेबुलाइज़र, रोगी मॉनिटर कार्डियो मशीन, सुइयों के साथ 10 हजार प्लैट्सिक सिरिंज, 288 प्लास्टर ऑफ पेरिस बैंडेज सहित अन्य चीजें शामिल हैं। वहीं भारतीय सेना और एनडीआरएफ की टीमों ने कैंप लगाया है और अस्थायी अस्पताल भी बनाया है। भारतीय बचावकर्मी लगातार लोगों को बचा रहे हैं और उन्हें जरूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं।

कराची में पुलिस मुख्यालय पर घातक हमला, तालिबान ने ली जिम्मेदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में स्थित पुलिस मुख्यालय पर शुक्रवार को घातक फिदायीन हमला आतंकवादियों ने किया था। पाकिस्तानी तालिबान ने एक संक्षिप्त बयान जारी करके इस हमले की जिम्मेदारी ली है। कई घंटों तक गोलीबारी और धमाकों की आवाज से कराची का मुख्य बाजार दहल उठा। सरकारी अधिकारियों और दक्षिणी सिंध प्रांत के पुलिस प्रमुख गुलाम नबी मेमन ने कहा कि इस हमले में तीन सुरक्षाकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि 18 सुरक्षाकर्मी घायल हो गये।

कराची दक्षिणी सिंध प्रांत के तहत आता है। अधिकारियों ने कहा कि बम से लैस दो आत्मघाती हमलावरों को मार गिराया गया, लेकिन पुलिस के इमारत में घुसने पर कम से कम एक फिदायीन ने खुद को विस्फोट करके उड़ा लिया। सरकार के एक सलाहकार मुर्तजा वहाब ने पुष्टि की है कि पुलिस और संसदीय बलों ने एक संयुक्त अभियान के तहत शुक्रवार देर रात हुए हमले के तीन घंटों के अंदर पुलिस की इमारत को खाली करा लिया। वहाब ने कहा, ''मैं पुष्टि करता हूं कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान अब समाप्त हो गया है।'' राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने एक बयान जारी करके कराची में हमले की निंदा की जो पाकिस्तान का प्रमुख वाणिज्यिक शहर है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी है। इसके पहले टीवी फुटेज में दिखाया गया था कि शहर में संट्रेल पुलिस थाने को अधिकारी घेरे हुए हैं क्योंकि निवासियों ने गोलीबारी और विस्फोट की आवाज आने की सूचना दी थी।पाकिस्तान के आंतरिक गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह खान ने कहा कि कुछ आतंकवादियों ने हैंड ग्रेनेड (हथगोले) फेंके क्योंकि वे पुलिस मुख्यालय में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। पाकिस्तान में नवंबर के बाद से आतंकी हमलों में बढ़ोतरी देखी गई है जब पाकिस्तानी तालिबान ने सरकार के साथ महीनों लंबा संघर्ष विराम समझौता तोड़ा दिया था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान एक अलग समूह है और इसे अफगानिस्तान के तालिबान समूह का कथित सहयोगी माना जाता है। तहरीक-ए-तालिबान को पाकिस्तानी तालिबान के नाम से जाना जाता है।

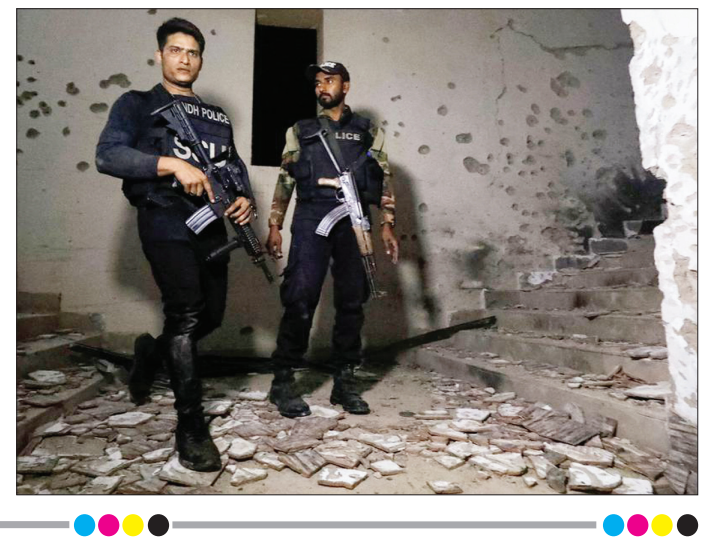

क्रांति समय
रविवार,19 फरवरी-2023

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण अफ्रीका से आए 12 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया

-इस मौके पर सीएम चौहान और केंद्रीय मंत्री यादव रहे मौजूद

भोपाल। दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को लेकर भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का सी-17 ग्लोबमास्टर विमान शनिवार दोपहर मध्य प्रदेश के ग्वालियर हवाईअड्डे पर पहुंचा। ग्वालियर हवाई अडड़े पर पहुंचने के बाद इन बाघों को द.अफ्रीकी चीता विशेषज्ञों के साथ कूनो नेशनल पार्क ले जाया गया, जो करीब 200 किमी दूर स्थित है। इसके बाद, चीतों को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा संगरोध बोमा में छोड़ा गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हुए। सीएम चौहान ने कहा महाशिवरात्रि पर फिर प्रदेश को बहुत बड़ी सौगात मिली है, मैं प्रधानमंत्री का धन्यवाद करता हूं। पहले 8 चीते आए थे और आज फिर से 12 चीते आए हैं। पहले जो चीते आए वे इस वातावरण में पूरी तरह से ढ़ल चुके हैं, वे स्वभाविक रूप से जीवन जी रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों की दूसरी खेप आने पर सीएम चौहान ने कहा पीएम मोदी की सोच पर्यावरण को बचाना है जिसमें यह भारत को एक नई दिशा दे रहा है। पर्यावरण बचाने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण है, चीते विलुप्त हो गए थे वे फिर से पुनर्स्थापित हो रहे हैं जोकि इस चीता प्रोजेक्ट से किया जा रहा है। आधिकारिक सूचना के अनुसार, 12 चीतों में से सात नर और पांच मादा चीतों को श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में अपना नया ठिकाना मिलेगा। अधिकारियों ने कहा कि चीतों के लिए रिजर्व में 10 बाड़े बनाए गए हैं। भारतीय वन्यजीव कानूनों के अनुसार, देश में आने के बाद जानवरों को 30 दिनों तक अलग-थलग रखा जाना आवश्यक है। सितंबर 2022 में, नामीबिया से आठ चीतों को भारत लाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर कुनो नेशनल पार्क में चीतों को छोड़ दिया था। नामीबियाई आठ चीते अब एक शिकार बाड़े में हैं और जल्द ही जंगल में छोड़ दिए जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों का स्थानांतरण केंद्र द्वारा विचार किए जाने के तीन साल बाद हुआ है। दुनिया की पहली अंतरमहाद्वीपीय स्थानांतरण परियोजना, जिसका उद्देश्य देश में चीतों को फिर से आबाद करना है।

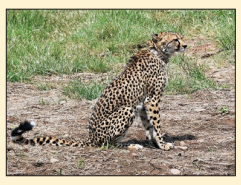

राजस्थान : गर्मी ने शुरू किया सितम बरसाना, बाड़मेर में पारा 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा

जयपुर : राजस्थान में सर्दी की विदाई होते ही गर्मी ने अब अपना जोर दिखाना शुरू कर दिया है जहां सीमावर्ती बाड़मेर में पारा 37 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया है। विभाग के अनुसार, उत्तरी अरब सागर एवं आसपास के गुजरात क्षेत्र के ऊपर एक प्रति चक्रवाती तंत्र विकसित होने से पिछले दिनों में राज्य में तापमान अचानक बढ़ा है। मौसम केंद्र जयपुर के आंकड़ों के अनुसार, बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक तापमान सीमावर्ती बाड़मेर में 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 8.8 डिग्री अधिक है। वहीं बीकानेर में यह 36.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 10.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इसी तरह अधिकतम तापमान जोधपुर में 36.5 डिग्री, फलौदी में 36.2 डिग्री, जैसलमेर में 35.5 डिग्री, डूंगरपुर में 35 डिग्री व चुरू में 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि अभी फागुन महीने का कृष्ण पक्ष चल रहा है और इस दौरान आमतौर पर तापमान अचानक एवं इतना अधिक नहीं बढ़ता है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में मौसम अभी शुष्क बना रहेगा। हालांकि 21-22 फरवरी से एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है।

फिल्मों और धारावाहिकों में अश्लील सामग्री से देश के युवा बहक रहे : रामदेव

पणजी। योग गुरु रामदेव ने कहा है कि देश के युवा फिल्मों और धारावाहिकों में अश्लील सामग्री और अश्लीलता के बहकावे में आ रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। गोवा में शनिवार सुबह शुरू हो रहे तीन दिवसीय योग शिविर से पहले मीडिया से बातचीत कर रहे थे। बाबा रामदेव ने कहा, मेरा उद्देश्य लोगों को बिना किसी दवा के स्वाभाविक रूप से स्वस्थ जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन करना है। समाज में जिस तरह से अश्लीलता फैल रही है, उससे भी चिंतित हूं.. पोर्न फिल्में बन रही हैं.. यहां तक कि फिल्मों और सीरियल में भी इतनी अश्लीलता है जो युवाओं को भटका रही है। हमें देखना होगा कि वे इस तरह के कंटेंट के बहकावे में न आएं। योग गुरु ने कहा कि आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा उन्हें इससे बाहर निकालने की जरूरत है। योग शिविर के बारे में उन्होंने कहा कि इसके तहत गोवा में शिक्षा को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ने के उद्देश्य से 20 फरवरी को बंबोलिम के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में छात्रों और शिक्षकों को शामिल करने वाला एक कार्यक्रम होगा। रामदेव ने कहा, भारतीय शिक्षा बोर्ड बच्चों को भारतीय मूल्य आधारित शिक्षा से जोड़ेगा ताकि वे बहकें नहीं। उन्हें अध्यात्म आधारित शिक्षा मिलनी चाहिए। हम छात्रों में व्यक्तित्व और नेतृत्व का निर्माण करना चाहते हैं और देखना चाहते हैं कि वे बुरी चीजों के प्रति आकर्षित न हों।

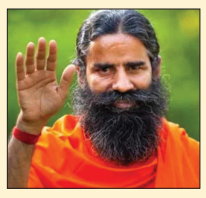

अब्बास अंसारी को मौत का डर, पत्र लिखकर जेल बदलने की मांग की

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे और विधायक अब्बास अंसारी को कासगंज जेल में जान का खतरा सता रहा है। भाई उमर ने यूपी सरकार के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर अब्बास की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कासगंज जेल में बंद कुंटू सिंह के द्वारा अब्बास की हत्या करवाने की साजिश की भी आशंका जाहिर की है। उमर ने योगी सरकार के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर कासगंज से अब्बास की जेल बदलने के लिए कहा है। उन्होंने मांग की है कि कासगंज जेल से अब्बास अंसारी का ट्रांसफर यूपी की सीमा में मौजूद किसी अन्य जिला जेल या केंद्रीय कारागार में किया जाए। लखनऊ के चर्चित अजीत सिंह हत्याकांड में ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू मास्टरमाइंड बताया गया था। अजीत सिंह हत्याकांड के साथ बसपा के पूर्व विधायक सर्वेश उर्फ सीपू सिंह की 2013 में दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या में भी कुंटू सिंह का नाम आया था। बता दें कि वर्तमान में कुंटू सिंह कासगंज जेल में बंद है। वहीं, विधायक अब्बास को भी 3 दिन पहले कासगंज जेल भेजा गया है।

1000 से लेकर 10000 तक के फंड ट्रांसफर में भी सरकार की नजर

नई दिल्ली। आतंकवाद और उग्रवादी गतिविधियों के लिए वित्तीय मदद को लेकर सरकार अब 1000 से लेकर 10000 रूपये तक बैंक से ट्रांसफर की गई राशि की जांच कर रहा है। अभी तक खरीद-फरोख्त हवाला और संपत्तियों के लेनदेन की जांच की जाती थी। लेकिन सरकार ने अब माइक्रो और नैनो लेनदेन पर भी नजर रखना शुरू कर दी है। केंद्र सरकार ने पिछले 5 सालों में 3256 बैंक खातों को संदेह के दायरे में लिया है। गृह मंत्रालय सूत्रों के अनुसार जीरो फंडिंग फॉर टेरर अभियान में दोस्तों, रिश्तेदारों जानकारों द्वारा भी यदि 1000 से 10000 रूपये का ट्रांसफर बैंकों से किया गया है। उस पर भी अब सरकार की नजर है। गृह मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर केरल तमिलनाडु बिहार पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश राजस्थान पंजाब जैसे राज्यों मैं आतंकवादी गतिविधि चलाने के लिए छोटे-छोटे फंड ट्रांसफर किए जाते हैं। इस काम में बैंक और ऑनलाइन नेट बैंकिंग का भी सहारा लिया जाता है। केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय 3256 चिन्हित खातों की जांच कर रहा है। जिसमें 1000 से लेकर 10000 रु- तक भेजे गए हैं। केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय द्वारा इतनी छोटी रकम की जांच की जा रही है। पाक्सो एक्ट के तहत संदिग्धों के ऊपर कार्यवाही की जा रही है। इसको लेकर अब नैनो और माइक्रो टेरर फंडिंग को लेकर भी चिंता जाहिर की जा रही है।

भ्रष्टाचार में शामिल मेघालय के दो परिवारों ने गरीबों के पैसे से अपनी तिजोरियां भर लीं: अमित शाह

शिलांग (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां आरोप लगाया कि मेघालय में लंबे समय तक शासन करने वाले दो परिवारों ने राज्य के लिए कुछ नहीं किया और गरीबों पर खर्च की जाने वाली राशि से अपनी तिजोरियां भर ली। शाह ने वेस्ट गारो हिल्स के दालु प्रखंड में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि समय आ गया है कि मेघालय को इन दो परिवारों से मुक्त किया जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में लाया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षों से दो परिवारों ने मेघालय में राज किया है।

अमित शाह ने कहा कि मुकुल संगमा ने कई वर्षों तक राज्य में शासन किया, वहीं कोनराड संगमा का परिवार भी वर्षों तक सत्ता में रहा। राज्य में कुछ भी नहीं हुआ। इन दोनों परिवारों ने क्या किया? शाह ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार में शामिल इन दोनों परिवारों ने गरीबों के पैसे से अपनी तिजोरियां भर ली। समय आ गया है कि मेघालय को इन दो परिवारों से मुक्त किया जाए और भाजपा को सरकार में लाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के विकास के लिए केंद्र की ओर से भेजी जा रही राशि कोनराड संगमा सरकार रोक रही है।

उन्होंने रैली में मौजूद लोगों से कहा कि क्या आपको नहीं लगता कि उन्होंने सालों तक जो भ्रष्टाचार किया, उसकी जांच होनी चाहिए? असम में भाजपा सरकार द्वारा की गई विकास पहलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा मेघालय में सत्ता में आती है तो यहां भी वैसा ही विकास होगा। भाजपा राज्य में कोनराड संगमा नीत गठबंधन सरकार का हिस्सा थी और उसने चुनाव से पहले गठबंधन तोड़ दिया और वह विधानसभा की सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

अमित शाह ने लोगों से सरकार बदलने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में समृद्धि और विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि मुकुल संगमा पहले कांग्रेस में थे, अब तृणमूल कांग्रेस को यहां लाए हैं। तृणमूल का पश्चिम बंगाल में शासन है, जहां कटमनी सीमा पार घुसपैठ और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। अगर आप घुसपैठ पर काबू चाहते हैं तो यहां भी भाजपा सरकार लाएं। मेघालय में कोई घुसपैठिया कदम नहीं रख सकेगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी रैली को संबोधित किया। मेघालय विधानसभा के लिए 27 फरवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती दो मार्च को होगी।

केजरीवाल का एलजी पर नया आरोप, सुप्रीम कोर्ट में केस प्रभावित करने की कोशिश की

- एलजी साहब भाजपा का मेयर बनवाना चाहते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फिर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि मेयर चुनाव को लेकर एलजी साहब ने दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट में सच्चाई बताने से रोकने का प्रयास किया और दिल्ली के अफसरों को अपनी पसंद का वकील रखने का आदेश था। उन्होंने कहा कि एलजी साहब किसी भी तरह भाजपा का मेयर बनवाने की कोशिश में लगे थे। केजरीवाल ने कहा कि मेयर चुनाव के मामले में आम आदमी पार्टी और दिल्लीवालों की सुप्रीम कोर्ट में बड़ी जीत हुई है। उन्होंने कहा कि एलजी और भाजपा वाले असंवैधानिक तरीके से भाजपा का मेयर बनाने की कोशिश कर रहे थे, इस सुप्रीम कोर्ट ने नाकाम कर दिया है। मैंने, एलजी साहब को 22 फरवरी को मेयर चुनाव करवाने का प्रस्ताव भेजा है।

साथ ही केजरीवाल ने आरोप लगाया कि एलजी ने सुप्रीम कोर्ट में केस को प्रभावित करने की कोशिश की। दिल्ली सरकार ने गौतम नारायण को अपना वकील नियुक्त करने को कहा था, लेकिन एलजी साहब ने तुषार मेहता को ही दिल्ली सरकार का भी वकील बनाने के लिए यूडी सेक्रेटरी को कहा, एलजी ने अफसर को अपने सभी गलत काम डिफेंड करने को भी कहा। ऐसा पहली बार हो रहा था जब तुषार मेहता दिल्ली सरकार और एलजी दोनों पार्टियों की तरफ से खड़े थे। एक पार्टी की सच्चाई को कोर्ट में रखने से रोकने के लिए एलजी ने यह षड्यंत्र रचा।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया कि मैंने एलजी साहब को चिट्ठी लिखकर कहा है कि इस तरह से गुंडागर्दी करके दिल्ली को चलाने की कोशिश मत कीजिए। चुनी हुई सरकार के कामों में दखलअंदाजी मत कीजिए। आप बड़े संवैधानिक पद हैं और आपका काम लोकंतत्र की रक्षा करना है।

चुनाव आयोग का फैसला स्वीकार करें, इंदिरा गांधी का उदाहरण देकर पवार की उद्धव को दी सलाह

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि तीर-कमान का चिह्न खोने से उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, जनता उसके नए चिह्न को स्वीकार कर लेगी। ज्ञात हो कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ठाकरे वाली शिवसेना की सहयोगी है। शरद पवार ने याद दिलाया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने 1978 में एक नया चिह्न चुना था, लेकिन इससे पार्टी को नुकसान नहीं उठाना पड़ा था।

पवार ने एकनाथ शिंदे वाले गुट को वास्तविक शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे मूल चिह्न तीर-कमान आवंटित करने के चुनाव आयोग (ईसी) के निर्णय पर यह प्रतिक्रिया की। एनसीपी प्रमुख ने ठाकरे समूह को सलाह दी कि जब कोई फैसला आ जाता है, तो चर्चा नहीं करनी चाहिए। इसे स्वीकार करें, नया चिह्न लें। पुराना चिह्न खोने से आपके राजनीतिक भविष्य पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को वास्तविक शिवसेना के रूप में मान्यता देने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को अप्रत्याशित करार दिया और पूछा कि निर्वाचन आयोग ने फैसला सुनाने में जल्दबाजी क्यों की। उन्होंने कहा शिवसेना के आम कार्यकर्ता उद्धव ठाकरे के साथ खड़े रहेंगे।

सीबीआई ने आज मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में आरोपपत्र दायर करने के करीब तीन माह बाद उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपपत्र में सिसोदिया को आरोपी नहीं बनाया गया है, क्योंकि उनके और अन्य संदिग्धों के खिलाफ जांच अभी जारी है। आप के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के पास आबकारी विभाग का प्रभार भी है। सिसोदिया से इसके पहले पिछले साल 17 अक्टूबर को पूछताछ हुई थी और मामले में उनके घर एवं बैंक के लॉकरों की तलाशी ली गई थी। एक अधिकारी ने कहा, ''दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को बनाने और इसे लागू करने में बड़ी साजिश तथा मामले में धन कहां से आया कहां गया इस संबंध में आगे की जांच जारी है।''

सिसोदिया ने बताया कि तलाशी के दौरान उनके खिलाफ कुछ नहीं मिला था और वह जांच में सहयोग करता रहूंगा। उन्होंने लिखा ''सीबीआई ने कल फिर बुलाया है। मेरे खिलाफ इन्होंने सीबीआई, ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की पूरी ताकत लगा रखी है, घर पर छापे, बैंक लॉकर तलाशी, कहीं मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला।'' उन्होंने परोक्ष तौर पर केंद्र की इशारा करते हुए कहा कि सीबीआई को उनके पीछे लगाया गया है क्योंकि ''वे'' (केंद्र) उन्हें दिल्ली में बच्चों की शिक्षा पर ''अच्छा काम'' नहीं करने देना चाहता। उन्होंने कहा, ''मैंने दिल्ली के बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया है। वे मुझे रोकना चाहते हैं। मैंने जांच में हमेशा सहयोग किया है और करूंगा।

देश 4 लोग चला रहे, इनमें 2 खरीदार व 2 विक्रेता हैं, सभी गुजरात के :अरुंधति राय

- भाकपा माले के समारोह में राय ने की शिरकत

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे भाकपा माले की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता अरुंधति राय ने संबोधित किया। बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका अरुंधति राय ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा प्रहार किया और विपक्षी दलों का एक फासीवाद विरोधी समूह बनाने की जरूरत पर जोर दिया। राय ने कहा कि देश चार लोगों द्वारा चलाया जाता है, उनमें से दो खरीदार हैं और अन्य दो विक्रेता हैं। ये सभी गुजरात के हैं।

अरुंधति राय ने कहा कि मोदी को लगता है कि उन्हें अदानी के बारे में बोलने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आम लोगों को पांच किलोग्राम राशन के लिए हमेशा उनका आभारी रहना चाहिए। लेकिन हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 100 अरब डॉलर के घोटाले की बात करती है। यह देश का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट घोटाला है। राय ने प्रधानमंत्री के साथ बिजनेस टाइकून की कथित निकटता का जिक्र करते हुए कहा कि पहले मोदी जी अदानी के विमान से यात्रा करते थे। अब अदानी मोदी जी के साथ उनके विमान में यात्रा करते हैं। कृषि कानून अदानी और उसके जैसे लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए लाए गए थे, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि किसानों की जमीन छीनने के उद्देश्य से लाए गए कानूनों से पहले ही उनके गोदाम बन गए थे। राय उस विधेयक का जिक्र कर रही थीं जिसे निरंतर विरोध के मद्देनजर रद्द कर दिया गया था।

अरुंधति राय ने आयकर विभाग की बीबीसी के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिका और ब्रिटेन की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अदानी के स्वामित्व वाली संपत्तियों पर कभी कोई छापेमारी नहीं की गई, लेकिन बीबीसी को 2002 के गुजरात दंगों के पीछे की सच्चाई को सामने लाने की कीमत चुकानी पड़ रही है। राय ने फासीवाद के खिलाफ खड़े होने के लिए भाकपा माले की प्रशंसा करते हुए कहा कि मौजूदा पूंजीवादी व्यवस्था का विरोध करने वाली सभी ताकतों को एक साथ लाना आवश्यक था, जिसमें पांच प्रतिशत लोग देश की 60 प्रतिशत संपत्ति को नियंत्रित करते हैं।

स्कूटी का वीआईपी नंबर 1 करोड़ 12 लाख 15 हजार में बिका

शिमला। अपने स्टेटस सिंबल को बढ़ाने के लिए लोग कौन-कौन से तरीके इस्तेमाल करते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण शिमला जिले के कोटखाई से सामने आया है। स्कूटी के फैंसी रजिस्ट्रेशन नंबर एचपी 99-9999 के लिए रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस अथॉरिटी को एक करोड़ 12लाख, 15,500 की ऑनलाइन बोली प्राप्त हुई है। ऑनलाइन नीलामी बोली के लिए आरक्षित मूल्य 1000 रूपये था। इसमें 26 प्रतिभागियों ने बोली लगाई थी। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले नीलामी कर्ता को 30 फ़ीसदी राशि तत्काल जमा करनी होगी। यदि यह राशि जमा नहीं करेगा, तो इससे कम राशि वाले को यह नंबर आवंटित हो जाएगा। स्कूटी की कीमत 70,000 से लेकर 1लाख 80000 के बीच विभिन्न मॉडल की होती है। ऐसा लगता है कि नीलामी कर्ता ने प्रचार प्रसार पाने के लिए जानबूझकर इतनी बड़ी बोली लगाई है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें यात्रियों के बीच हो गईं हैं तुरंत हिट, ट्रेन की लोकप्रियता आसमान छू रही है

- देशभर में चल रही 10 वंदे भारत ट्रेनों की सेवाओं से जुड़े हैं 17 राज्यों के 108 जिले

- यह वंदे भारत एक्सप्रेस महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों की राजधानियों को जोड़ती है

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने देश के बहुआयामी विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आरामदायक और उन्नत रेल यात्रा अनुभव के एक नए युग की शुरुआत करते हुए, नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें रेल परिवहन में भारत की उभरती ताकत का नया चेहरा बन गई हैं। यह आधुनिक सेमी हाई स्पीड ट्रेन यात्रियों को एक सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करते हुए बेहतर डिजाइन, इंटीरियर और गति के मानकों पर भारतीय रेलवे के लिए एक बड़ी छलांग है। यह ट्रेन आत्मनिर्भर भारत का एक शानदार प्रतीक और उदाहरण है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार फरवरी 2019 में लॉन्च होने के बाद से अत्यंत लोकप्रिय सेवा के रूप में वर्तमान में 10 वंदे भारत ट्रेनें 17 राज्यों के 108 जिलों को जोड़ती हुई चल रही हैं। मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। यह ट्रेन 30 सितंबर, 2022 को शुरू की गई थी। यह मुंबई और गुजरात राज्यों की राजधानियों को बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद में हाल्ट के साथ जोड़ती है तथा रास्ते में सात जिलों को कवर करती है। 130त्न की औसत क्षमता के साथ यह ट्रेन यात्रियों के बीच तुरंत हिट हो गई है। अन्य वंदे भारत ट्रेनें नई दिल्ली-वाराणसी, नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा, नई दिल्ली-अंब अंदौरा, चेन्नई सेंट्रल-मैसूर, नागपुर-बिलासपुर, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी, सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-सोलापुर एवं छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-शिरडी के बीच चल रही हैं। ठाकुर ने इस संबंध में और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस असंख्य बेहतर सुविधाएं प्रदान करती है जो यात्रियों को विमान जैसा यात्रा अनुभव और उन्नत अत्याधुनिक संरक्षा व्यवस्था/प्रणालियां प्रदान करती है। इसे 160 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति के लिए पूरी तरह से सस्पेंडेड कर्षण मोटरों वाली बोगियों के साथ निर्मित किया गया है। उन्नत अत्याधुनिक सस्पेंशन सिस्टम यात्रियों के लिए सुगम, सुरक्षित यात्रा और बेहतर आरामदेह राइडिंग सुनिश्चित करता है। ट्रेन की सभी श्रेणियों में रिक्लाइनिंग सीटें हैं, जबकि एक्जीक्यूटिव कोच में 180ए घूमने वाली सीटों की अतिरिक्त सुविधा है। प्रत्येक कोच 32÷ स्क्रीन से सुसज्जित है जो यात्री सूचना और इंफोटेनमेंट प्रदान करता है। दिव्यांगों के अनुकूल वॉशरूम और ब्रेल अक्षरों में सीट नंबर के साथ सीट हैंडल भी उपलब्ध कराए गए हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस में कई उन्नत संरक्षा उपाय भी शामिल हैं। यह ट्रेन एक स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली - कवच से लैस है। इस तकनीक को मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है जिसके कारण इसकी लागत बहुत कम है। इस ट्रेन में कोच के बाहर चार प्लेटफॉर्म साइड कैमरे भी लगाए गए हैं, जिनमें रियर व्यू कैमरे भी शामिल हैं। इस ट्रेन को पावर कारों के बिना और उन्नत पुनर्योजी ब्रेकिंग सिस्टम के साथ लगभग 30त्न बिजली की बचत करके भारतीय रेलवे के हरित पदचिह्न को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ठाकुर ने आगे बताया कि मवेशियों के पटरी पर आने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पश्चिम रेलवे ने मुंबई-अहमदाबाद मार्ग पर मेटल बीम फेंसिंग के निर्माण का कार्य शुरू किया है। मेटल बैरियर फेंसिंग मुंबई से अहमदाबाद के बीच लगभग 622 किलोमीटर की लंबाई को कवर करेगी और इसे लगभग 245.26 करोड़ रुपये की लागत से लगाया जाएगा। इस हेतु सभी 8 निविदाएं दे दी गई हैं और काम जोरों पर चल रहा है। मई, 2023 के अंत तक इस कार्य के पूर्ण होने की उम्मीद है। वंदे भारत एक्सप्रेस एक नए युग की ट्रेन है जो भारत में यात्रियों की यात्रा को फिर से परिभाषित कर रही है। यह ट्रेन देश भर के अधिकांश बड़े और छोटे शहरों को जोड़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप इन ट्रेनों का निर्माण हमारे देश में स्वदेशी रूप से किया जा रहा है। वर्तमान में इन वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में किया जा रहा है। अब इन कोचों के निर्माण में तेजी लाने के लिए इन ट्रेनों का उत्पादन जल्द ही महाराष्ट्र के लातूर, उत्तर प्रदेश के रायबरेली और हरियाणा के सोनीपत में शुरू किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस फैसला ले, भाजपा 100 पर सिमटेगी: नीतीश

विपक्षी एकता पर कांग्रेस को दी सलाह, खुर्शीद बोले- पहले आई लव यू कौन कहेगा

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर विपक्षी एकता पर जोर दिया। पटना में शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के अधिवेशन में नीतीश ने कहा- अब कांग्रेस को निर्णय लेना होगा कि 2024 में क्या रणनीति होनी चाहिए और विपक्षी एकता को किस तरह से मजबूत करना चाहिए। यदि कांग्रेस इस बात पर तैयार हो जाए तो 2024 में भाजपा 100 सीटों के अंदर सिमट कर रह जाएगी। नीतीश की सलाह पर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा- नीतीश कुमार जी जो आप

सोचते हैं, वो कांग्रेस भी सोचती है। बस बात इतनी सी है कि पहले आई लव यू कौन कहेगा। शनिवार को भाकपा माले के अधिवेशन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाकपा-माले के मंच से कहा कि विपक्ष एकता की कवायद चल रही है। आप लोगों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। कई पार्टियां एकजुट होने के लिए तैयार हैं। बस आपके फैसले का इंतजार है। देश के हित में सोचेंगे तो आपको ही फायदा होगा और दोस्त को भी फायदा होगा। नीतीश कुमार ने कांग्रेस से कहा कि हमको कुछ नहीं चाहिए। हम चाहते हैं सभी एकजुट होकर 2024 में भाजपा का सामना करें। हम पहले भी साथ चल रहे थे, आगे भी साथ चलेंगे। सलमान खुर्शीद सामने बैठे हैं। हम लोगों ने विपक्षी एकता के लिए जाकर दिल्ली में संदेश दे दिया था। अब हम लोग कांग्रेस का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने नीतीश कुमार को जवाब देते हुए कहा कि हम आपकी बात को आलाकमान तक पहुंचा देंगे, मैं एक वकील हूं, आपकी वकालत कर दूंगा। भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि आज देश में संविधान खतरे में है। ऐसे ऐसे में देश में जितनी विपक्षी पार्टियां हैं, उन सभी को एकजुट होना होगा और समय बहुत कम है। 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष की एकता जरूरी है। डिप्टी सीएम तेजस्वी ने कहा कि भाजपा मंदिर, मस्जिद, गाय की चर्चा करती रहती।

22 फरवरी को होगा दिल्ली मेयर का चुनाव, एलजी ने 2 घंटे में मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेयर चुनाव 22 फरवरी को सुबह 11 बजे से होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज ही एलजी को प्रस्ताव भेजकर 22 फरवरी को मेयर चुनाव कराने की मांग की थी। प्रस्ताव को एलजी ने 2 घंटे बाद ही मंजूरी दे दी।

इसके पहले केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली मेयर चुनाव मामले में एलजी सक्सेना पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सक्सेना ने सुप्रीम कोर्ट में सच्चाई बताने से रोकने की कोशिश की। एलजी ने वकील को लेकर सेक्रेटरी को आदेश दिए और एससी में दोनों पक्षों के वकील तय किए। एलजी ने वकील तुषार मेहता को वकील बनाया, जबकि वह पहले से ही हमारी सरकार का केस लड़ रहे थे। केजरीवाल ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ

कि एक ही वकील को दिल्ली सरकार और एलजी का वकील नियुक्त किया गया। एलजी संविधान को कुचल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उपराज्यपाल के साथ दिल्ली कैसे चलेगी। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने शनिवार को दावा किया है कि सीबीआई ने रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्होंने यह जानकारी ट्वीट के जरिए दी है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ केंद्र ने सीबीआई, ईडी की पूरी ताकत लगा रखी है। घर पर रेड, बैंक लॉकर तलाशी, कहीं मेरे खिलाफ कुछ नहीं मिला। मैंने दिल्ली के बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया है। ये उसे रोकना चाहते हैं। मैंने जांच में हमेशा सहयोग किया है और आगे भी करूंगा। दरअसल, दिल्ली आबकारी नीति मामले में जांच चल रही है। इसी सिलसिले में सीबीआई ने सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया है।

निक्की की बॉडी छिपाने में साहिल का परिवार शामिल

शव को फ्रिज में रखने में मदद की; निक्की-साहिल की 2020 में हो गई थी शादी

एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली के निक्की यादव मर्डर केस में अब नया ट्विस्ट आ गया है। शनिवार को पुलिस ने बताया कि आरोपी साहिल ने दूसरी शादी करने के लिए निक्की की हत्या की। इस साजिश में उसका परिवार भी शामिल था।

पुलिस का कहना है कि घरवालों ने दोस्त के साथ मिलकर निक्की के शव को फ्रिज में छिपाने में आरोपी की मदद की। इतना ही नहीं निक्की और साहिल की शादी अक्टूबर 2020 में नोएडा के आर्य समाज मंदिर में हुई थी। दूसरी शादी करने के लिए साहिल को निक्की रोक रही थी, लेकिन वह नहीं माना और निक्की की हत्या कर दी। पुलिस ने साहिल और परिवार से पूछताछ के बाद

शुक्रवार की शाम को उसके पिता, दोस्त और चचेरे भाई समेत 5 लोगों को अरेस्ट किया। इसके बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने पुलिस को इनकी दो दिन की कस्टडी में भेज दिया। निक्की और साहिल की शादी की तस्वीर सामने आई है। फोटो आने के बाद निक्की की फैमिली ने दावा किया है कि उन्हें इस शादी के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। वहीं, शादी करवाने वाले पंडित से पुलिस ने पूछताछ की। पंडित ने माना है कि उसने निक्की-साहिल की शादी 2020 में करवाई थी।

पुलिस का कहना है कि आरोपी की फैमिली को साहिल और निक्की की शादी के बारे में पहले से जानकारी थी। पुलिस ने साहिल और निक्की की शादी से जुड़ा सर्टिफिकेट भी बरामद किया है। आरोपी का परिवार उनकी शादी से खुश नहीं था। इसके बावजूद उसकी शादी दिसंबर 2022 में कहीं और तय कर दी। लड़की के परिवार से यह भी छिपाया कि साहिल पहले से ही शादीशुदा है।

राजस्थान में पीएफआई के ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

जयपुर, बूंदी, सवाई माधोपुर और कोटा में संगठन के कई सदस्यों को पकड़ा

एजेंसी

जयपुर। टेरर फंडिंग मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के ठिकानों पर छापेमारी की है। एनआईए ने शनिवार सुबह राजस्थान में 7 जगहों पर फ्रंट के सदस्यों के घरों पर रेड की और कई मेंबर्स को पकड़ा है। जयपुर, बूंदी, सवाईमाधोपुर और कोटा में कार्रवाई चल रही है। कोटा में तीन जबकि जयपुर, सवाईमाधोपुर, बूंदी व भीलवाड़ा में एक-एक पीएफआई सदस्य के यहां छापे मार गए। एनआईए ने देर रात करीब एक बजे भीलवाड़ा की गुलनगरी में रहने वाले वाले इमरान रंगरेज के घर पर छापा मारा। इमरान रंगरेज

एसडीपीआई का सोशल एक्टीविस्ट है और पीएफआई का पूर्व कार्यकर्ता भी है। सबसे बड़ी बात यह है कि एनआईए की टीम ने लोकल पुलिस को इस संबंध में कोई अपडेट ही नहीं दी। कोटा में एनआईए की टीम सुबह जल्दी पहुंची। इस दौरान टीम ने रामपुरा थाना क्षेत्र में दबिश दी है। कोटा में कुल तीन जगह छापे मारे गए। एनआईए के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान में पहले की गई रेड में बारां के रहने वाले आरोपी सादिक सर्राफ पुत्र समर निवासी और मोहम्मद आसिफ पुत्र अशफाक मिर्जा को पकड़ा गया था। तब पूछताछ में सामने आया कि दोनों पीएफआई के पदाधिकारियों, मेंबर्स और कैडर के साथ पीएफआई के कोटा जिले में गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हैं। एनआईए की ओर से 19 सितंबर 2022 को मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद एनआईए की ओर से पीएफआई पदाधिकारियों के संदिग्ध आवासीय और व्यावसायिक परिसरों पर छापेमारी की गई। उस समय तलाशी में डिजिटल डिवाइस, एयर गन, धारदार हथियार और आपत्तिजनक डॉक्यूमेंट जब्त किए गए थे। उसी कड़ी में आज की कार्रवाई की गई है। पीएफआई की जड़ें 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद मुसलमानों के विभिन्न आंदोलनों से जुड़ी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोनू मानेसर पर 2 राज्यों की पुलिस आमने-सामने

रेवाड़ी, एजेंसी। हरियाणा में बजरंग दल के गौरक्षा प्रमुख मोनू मानेसर की गिरफ्तारी पर 2 राज्यों की पुलिस आमने-सामने हो गई है। 2 मुस्लिम युवकों को जलाकर मारने के केस में राजस्थान पुलिस उसे ढूंढ रही है। यह देख अब हरियाणा पुलिस भी उसे गुरुग्राम के पटौदी में हुए मारपीट व फायरिंग के केस में ढूंढने लगी है। दोनों राज्यों की पुलिस मोनू मानेसर की तलाश में ताबड़तोड़ रेड कर रही है। हालांकि अभी तक वह किसी की पकड़ में नहीं आया है। इसको लेकर चर्चा हो रही है कि क्या हरियाणा पुलिस मोनू मानेसर को राजस्थान पुलिस के हाथ नहीं लगने देना चाहती, जो अचानक पुराने मामले में इस तरह से हरकत में आ गई है?। हालांकि हरियाणा पुलिस के अफसर इसे रूटीन कार्रवाई बता रहे हैं। गुरुग्राम के गांव मानेसर निवासी मोहित यादव उर्फ मोनू मानेसर पर 7 फरवरी को पटौदी थाना में मारपीट व फायरिंग के मामले में FIR दर्ज हुई थी। पटौदी में एक समुदाय की लड़की द्वारा दूसरे समुदाय के लड़के के साथ शादी करने के बाद हंगामा हो गया था। जिसके बाद दो पक्षों में काफी तनाव हो गया। इसके बाद मोनू मानेसर अभी अपने साथियों के साथ पटौदी पहुंचा था। यहां दोनों पक्षों के बीच फिर से विवाद हुआ और मारपीट के अलावा फायरिंग की घटना हुई, जिसमें मोइन नाम के एक युवक को गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

पवार की उद्धव को सलाह- फैसला स्वीकारें, नया सिंबल लें

उद्धव ठाकरे ने समर्थकों से कहा- गली-गली जाकर बताओ- चुनाव चिह्न तीर-कमान चोरी हो गया

एजेंसी

मुंबई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने उद्धव को सलाह दी है कि चुनाव आयोग के फैसले को स्वीकार कर लें। शुक्रवार को इलेक्शन कमीशन ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था। ईसी ने शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर-कमान का निशान इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी।

उद्धव ने इस पर आपत्ति जताई थी और इलेक्शन कमीशन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही थी। इस पर शरद पवार ने कहा कि जब कोई फैसला आ जाता है, तो चर्चा नहीं करनी चाहिए। इसे स्वीकार करें, नया चिह्न लें। पुराना चिह्न खोने से

कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, एनसीपी नेता अजित पवार ने आयोग के इस फैसले को अप्रत्याशित बताया है। अजीत पवार ने पूछा कि ईसी ने फैसला सुनाने में जल्दबाजी क्यों की। उद्धव ठाकरे ने शनिवार को अपने समर्थकों से कहा कि गली-गली में जाकर लोगों को बताइये कि पार्टी का चुनाव चिह्न 'तीर-कमान' चोरी हो गया है। सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि चोर को सबक सिखाने की जरूरत है। वह पकड़ा गया है। मैं चोर को तीर-कमान लेकर मैदान में आने की चुनौती देता हूं और हम एक जलती हुई मशाल से उसका मुकाबला करेंगे। उद्धव ने कहा पीएम को लगता है वो शिवसेना को खत्म कर देंगे। शिवसेना कभी खत्म नहीं होगी। चुनाव आयोग पीएम का गुलाम है। आयोग ने वो किया है जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने अपने समर्थकों से धैर्य रखने और अगले चुनावों की तैयारी करने को कहा। ठाकरे यहां बांद्रा स्थित अपने आवास मातोश्री के बाहर पार्टी नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करने से पहले अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। बड़ी संख्या में ठाकरे के समर्थक मातोश्री के बाहर जमा हुए और एकनाथ शिंदे के खिलाफ और ठाकरे के समर्थन में नारे लगाए। इसी मसले पर अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा- जो राम का नहीं, हनुमान का नहीं, वो किसी काम का नहीं। एक निजी टीवी चैनल से बात करते हुए नवणीत ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जमीनी स्तर का नेता बताया। नवणीत ने आगे कहा कि शिंदे जमीनी स्तर पर बाल ठाकरे के साथ रहे हैं। वे पूरी तरह से शिवसेना के निशान और उसकी विरासत के हकदार हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक बार जब कोई पार्टी टूट जाती है, तो 90% नए गुट के साथ चले जाते हैं और ईसी को नए गुट को पार्टी का नाम और चिन्ह देना पड़ता है।

बोले- लोगों ने आंखों की रोशनी खोई, सुनने में भी परेशानी

कोरोना के बाद भारत में कैंसर पेशेंट बढ़े: रामदेव

एजेंसी

पणजी। योग गुरु रामदेव ने दावा किया कि देश में कोरोना महामारी के बाद कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने गोवा के मीरामार बीच पर शनिवार सुबह एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा- कैंसर बहुत बढ़ गया है। कोरोना के बाद इस बीमारी के मामले बढ़ गए हैं। लोगों ने आंखों की रोशनी, सुनने की क्षमता भी खो दी है। गोवा में पतंजलि योग समिति की ओर से तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रामदेव के साथ मंच पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद रहे। इस दौरान रामदेव ने कहा- मेरा भी सपना है कि गोवा वेलनेस का सेंटर बने। पीएम नरेंद्र मोदी का भी सपना है कि भारत वेलनेस का ग्लोबल सेंटर बनना चाहिए। रामदेव ने कहा कि पर्यटकों को केवल घूमने के लिए नहीं, बल्कि ब्लड प्रेशर, शुगर, थायराइड, कैंसर और अन्य बीमारियों का इलाज कराने के लिए गोवा आना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोवा को योग, आयुर्वेद, सनातन और अध्यात्म का पर्यटन केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा- दो महीने के दौरान जब राज्य में पर्यटकों की संख्या कम है, हम आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं। दुनिया भर से लोग यहां आएंगे।

पृथ्वी शॉ से हाथापाई के मामले में तीन गिरफ्तार, कोर्ट में हुई पेशी

सेल्फी को लेकर बीच सड़क हुआ था विवाद

एजेंसी

मुंबई। क्रिकेटर पृथ्वी शॉ से हाथापाई मामले में मुंबई पुलिस ने दो और लोगो को कस्टडी में लिया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक अब तक कुल तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 5 लोग अब भी फरार है। गिरफ्तार हुए तीनों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं, मामले की आरोपी सपना गिल को पुलिस ने शुक्रवार को अंधेरी कोर्ट में पेश किया था। सपना को 20 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उधर, ओशिवारा पुलिस ने शॉ के दोस्त आशीष यादव का दोबारा

बयान दर्ज किया। आशीष यादव के मुताबिक, आरोपी लड़की ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। मुंबई पुलिस ने धारा 387 (किसी व्यक्ति से जबरन वसूली करने के लिए उसे मौत या गंभीर चोट का भय दिखाना) को एफआईआर में जोड़ा है।

जॉर्ज सोरोस बूढ़े, जिद्दी और खतरनाक: एस जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा- उन्हें लगता है दुनिया उनके हिसाब से चले.. हम उन देशों में नहीं

एजेंसी

सिडनी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी जॉर्ज सोरोस को बूढ़ा, अमीर, जिद्दी और खतरनाक बताया है। सोरोस ने पिछले दिनों पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। कहा था कि वे लोकतंत्रिक देश के नेता हैं, लेकिन खुद लोकतांत्रिक नहीं हैं। वो मुसलमानों के साथ हिंसा कर तेजी से बड़े नेता बने हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सोरोस के बयानों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को लगता है कि अगर उनकी पसंद का व्यक्ति चनाव जीतता है,

तो वो चुनाव अच्छा था, लेकिन अगर नतीजा कुछ और निकले तो वो देश के लोकतंत्र में खामियां ढूंढ़ने लगते हैं। वो चाहते हैं कि दुनिया उनके हिसाब से चले। जयशंकर ने कहा, ₹हमारे लोकतंत्र में लोग बढचढ कर चुनाव में हिस्सा लेता हैं जो अभूतपूर्व है, हमारे चुनाव नतीजे पर पहुंचते हैं। चुनाव की प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठते हैं। हम उन देशों में से नहीं हैं जहां चुनाव के बाद अदालत में मध्यस्थता कराई जाती है। म्यनिख सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग में बोलते हुए अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस ने कहा था कि भारत क्वाड का मेंबर है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान भी उसके साथ हैं। इसके बावजूद भारत रूस से बड़े डिस्काउंट पर तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है। सोरोस ने भारत में नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए और कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने पर भी पीएम मोदी पर निशाना साधा था। सोरोस ने दोनों मौकों पर कहा था कि भारत हिंदू राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। दोनों ही मौकों पर उनके बयान बेहद तल्ख थे और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते दिखाई दिए थे। 92 साल के जॉर्ज सोरोस दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। सोरोस एक यहूदी हैं, जिस वजह से सेकेंड वर्ल्ड वॉर के समय उन्हें अपना देश हंगरी छोड़ना पड़ा था। 1947 में वे लंदन पहुंचे। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में फिलासफी की पढ़ाई की। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक साल 16 सितंबर 1992 में ब्रिटेन की करेंसी पाउंड में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। जिसके पीछे जॉर्ज सोरोस का हाथ माना गया था। इसके चलते उन्हें ब्रिटिश पाउंड को तोड़ने वाला इंसान भी कहा जाता है।

काम के बदले साथ हमबिस्तर होने की मांग,

समाज के मशहूर चेहरे जो रखते हैं चेहरे पर चेहरा...

हम करेंगे ऐसे लोगों को